www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 90.450g

चांदी 91.500 kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 वैश्विक व्यापार में नए समीकरण, आर्थिक सुधारों सहित भारत सरकार की कोशिशें ला रही रंग

सहकारी समिति सचिव की मौत का मामला 04

वर्ष :08 | अंक :272 | मुंबई ,मंगलवार , 25 मार्च , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

लच्छीवाला टोल प्लाजा पर डम्पर ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मारी, दो लोगों की मौत

उत्तराखंड : हरिद्वार-देहरादून मार्ग पर लच्छीवाला टोल प्लाजा पर सोमवार को एक तेज रफ्तार डम्पर ट्रक ने कई वाहनो को टक्कर मार दी जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। दुर्घटना स्थल पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि देहरादून से आ रहे ट्रक ने टोल प्लाजा पर कतार में खड़ी तीन कारों को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे हुआ जिससे टोल प्लाजा पर अफरातफरी मच गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि एक कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एक खंभे तथा डंपर के बीच फंस गई जिससे कार में बैठे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) कर्मियों को क्षतिग्रस्त कार से शवों को निकालने और उसे टोल प्लाजा से हटाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों की पहचान देहरादून के रतनमणि उनियाल और पंकज कुमार के रूप में हुई है। वे सप्ताहांत के बाद अपनी ड्यूटी पर लौटने के लिए टिहरी जा रहे थे, इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि वे टिहरी में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में काम करते थे।

नैनीताल में झील का जलस्तर पांच साल के निचले स्तर पर, पानी के संकट की आशंका

नैनीताल की जीवन रेखा मानी जाने वाली नैनी झील का जलस्तर घटकर 4.7 फुट तक रह गया है, जो पिछले पांच साल में सबसे कम है। जलस्तर में गिरावट से स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच पानी के संभावित संकट को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस बार सर्दियों में पर्यटक नगरी में बहुत कम बारिश और बर्फबारी हुई थी, जिससे गर्मी के महीनों में झील का जलस्तर रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरने की आशंका बढ़ गई है। पिछले साल भी नैनीताल को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था लेकिन मानसून ने बारिश की कमी की भरपाई की थी और झील को भरपूर पानी प्रदान किया था, जिससे जलस्तर बढ़कर 12 फुट तक हो गया था। यही नहीं, राज्य के सिंचाई विभाग को नियमित अंतराल पर झील से अतिरिक्त पानी निकालना पड़ा था। हालांकि, इस साल शहर में बहुत कम बारिश और हिमपात हुआ। नैनी झील के नियंत्रण कक्ष प्रभारी रमेश गैड़ा ने बताया कि पिछली सर्दियों में नैनीताल में केवल दो बार (नौ दिसंबर और 12 जनवरी को) हिमपात हुआ था, जो झील में पानी भरने के लिए पर्याप्त नहीं था। गौड़ा के मुताबिक, अब जबकि जलस्तर लगातार घट रहा है और गर्मी का मौसम व पर्यटन सीजन शुरू होने वाला है।

कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण पर राज्यसभा में भारी हंगामा

मुस्लिम आरक्षण पर कहा था- कॉन्स्टिट्यूशन बदलेंगे; खड़गे बोले- कोई संविधान नहीं बदल सकता

राज्यसभा में हंगामा

▶▶ हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। सदन के नेता एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा में ठेकेदारों को ठेके देने के लिए 4% आरक्षण (अल्पसंख्यकों को) देने का प्रस्ताव पारित किया गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक में सार्वजनिक ठेकों में मुसलमानों को आरक्षण देने के मुद्दे पर सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर के भोजन के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई तो विपक्ष की नारेबाजी के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 में लोकसभा द्वारा किए गए संशोधनों को विचार के लिए पेश किया। प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किए जाने के बाद, उपसभापति हरिवंश ने हंगामा जारी रहने के कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। सदन के नेता एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा में ठेकेदारों को ठेके देने के लिए 4% आरक्षण (अल्पसंख्यकों को) देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। सरदार पटेल और अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। तेलंगाना विधानसभा में सबसे पहले उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को आरक्षण दिया। डीके शिवकुमार ने फिर कहा है कि संविधान कांग्रेस ने दिया है और संविधान बदलने का काम भी कांग्रेस ही करेगी।

'देश का इस्लामीकरण करने का प्रयास, राहुल गांधी माफी मांगे': गिरिराज सिंह

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के संविधान पर कथित बयान को लेकर संसद में आज हंगामा देखने को मिला। भाजपा इसी बहाने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साध रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश का इस्लामीकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए और डीके शिवकुमार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि हम इन तुष्टीकरण करने वालों को देश का संविधान बदलने नहीं देंगे। उन्हें समझना चाहिए कि यह भारत है, पाकिस्तान नहीं। भंडारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आधुनिक मुस्लिम लीग है। यह वही पार्टी है जो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को बदलकर मुसलमानों को आरक्षण दे सकती है...आज कांग्रेस पार्टी यह स्पष्ट कर रही है कि उसके आदर्श औरंगजेब और बाबर हैं, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर नहीं।

लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है: प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध को लेकर सोमवार को कहा कि लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है। कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे को लेकर हंगामे के कारण सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा, ऐसा लगता है कि उन्होंने (सत्तापक्ष ने) मन बना लिया है कि सदन नहीं चले। अब कई दिन हो गए हैं और वे हंगामा खड़ा करने का कोई न कोई बहाना ढूंढ़ ही लेते हैं। कर्नाटक विधानसभा ने बीते शुक्रवार को विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के बीच सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित किया। राज्य मंत्रिमंडल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों और एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवा खरीद अनुबंध में मुसलमानों को चार प्रतिशत का आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस मुद्दे पर और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के एक बयान पर सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही। इन मुद्दों पर हंगामे के चलते पहले लोकसभा की कार्यवाही सुबह शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक और फिर अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के वीडियो पर बवाल, एफआईआर

जहां शो शूट हुआ, वहां शिवसैनिकों ने तोड़फोड़ की, बीएमसी हथौड़े लेकर पहुंची

पुलिस ने मुंबई के खार इलाके में स्थित हैबिटेट स्टूडियो में कथित रूप से तोड़फोड़ करने के लिए करीब 40 शिवसेना कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है – जहां कुणाल कामरा के शो में शिंदे पर गद्दार कटाक्ष को फिल्माया गया था – साथ ही उस होटल के परिसर में भी तोड़फोड़ की गई, जिसके परिसर में स्टूडियो स्थित है।

एजेंसी

मुंबई ,स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर सोमवार सुबह मुंबई के खार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद बृहन्मुंबई नगर निगम की टीम यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में हथौड़ा लेकर पहुंच गई। दरअसल, हुआ ये कि रविवार को कामरा का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे एक कविता पढ़ रहे हैं। इसकी पहली लाइन 'ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय... है।' कुणाल ने इसे फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने की धुन पर गाया। शिवसेना (शिंदे) के कार्यकर्ताओं ने इस कविता को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक कमेंट माना और रविवार रात को यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में तोड़फोड़ की। दूसरे दिन सोमवार सुबह पुलिस ने तोड़फोड़ के आरोप में शिवसेना नेता राहुल कनाल सहित 11 शिवसैनिकों को गिरफ्तार कर लिया। इस केस में 40 शिवसैनिकों पर एफआईआर हुई थी। हालांकि तीन घंटे के बाद सभी को जमानत मिल गई। शिवसैनिकों का दावा है कि इसी होटल में बने स्टूडियो में वह वीडियो शूट किया गया था। इससे शिवसेना के कार्यकर्ता भड़क गए थे। शिवसेना का आरोप है कि कामरा की कविता की शुरूआत में ही डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के लुक को बताया गया है। फिर उनके शिवसेना से बगावत कर विधायकों के साथ गुवाहाटी जाने की बात कही गई है। इसके अलावा उनके रिक्शा (ऑटो रिक्शा) चलाने और ठाणे के होने का भी जिक्र है। शिंदे ठाणे के रहने वाले हैं और पहले ऑटो रिक्शा चलाते थे।

'ऐसी कॉमेडी बर्दाश्त नहीं, माफी मांगें कुणाल कामरा', शिंदे पर टिप्पणी मामले में फडणवीस की दो टूक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी को लेकर कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कामरा को अपने कटाक्ष के लिए माफी मांगनी चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि शिंदे का अपमान किया गया है। फडणवीस ने कहा कि कानून के मुताबिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी, कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए। फडणवीस ने कहा एकनाथ शिंदे जी का अपमान किया गया है, और ऐसा करने की कोशिश की गई है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनावों ने साबित कर दिया है कि देशद्रोही कौन हैं। किसी भी स्टैंड-अप कॉमेडियन को इतने बड़े नेता को देशद्रोही कहने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

बेरोजगारी पर चुप सरकार, एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा आरएसएस:राहुल गांधी

छात्र संगठनों के प्रदर्शन में पहुंचे राहुल गांधी

एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के छात्रों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। छात्रों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारतीय शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का प्रयास कर रहा है। गांधी ने कहा कि देखिए, एक संगठन भारतीय शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है, और वह संगठन आरएसएस है। अगर हमारी शिक्षा प्रणाली उनके हाथों में चली गई, तो देश नष्ट हो जाएगा, और रोजगार खत्म हो जाएगा। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि आज फरर हिंदुस्तान के भविष्य और उसके एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है। अगर हमारी शिक्षा व्यवस्था फरर के हाथ में चली गई तो देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा और देश बर्बाद हो जाएगा। आज हिंदुस्तान की यूनिवर्सिटीज में सारे वाइस चांसलर फरर के चुने हुए हैं। वहीं आने वाले समय में स्टेट यूनिवर्सिटीज के वाइस चांसलर भी फरर के चुने हुए लोग ही बनेंगे। ये देश के लिए खतरनाक है।

राहुल ने साफ तौर पर कहा कि आज आरएसएस हिंदुस्तान के भविष्य और उसके एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है। अगर हमारी शिक्षा व्यवस्था आरएसएस के हाथ में चली गई तो देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा और देश बर्बाद हो जाएगा।

असम सीआईडी ने एचएस परीक्षा के पेपर लीक की जांच अपने हाथ में ली, नई परीक्षा तिथियों पर चर्चा

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर कई पेपर लीक की रिपोर्ट के बाद 24 से 29 मार्च तक असम राज्य बोर्ड की कक्षा 11 की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं, जिसमें 36 विषय शामिल हैं। उचित जांच की मांग करते हुए, एनएसयूआई, एसएफआई, एसएमएसएस और एएएसयू जैसे प्रमुख छात्र संगठनों ने भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार की आलोचना की और पेगू के इस्तीफे और राज्य बोर्ड प्रमुख आरसी जैन के निलंबन की मांग की।

यूपी में योगी सरकार के 8 साल, मुख्यमंत्री ने जारी किया रिपोर्ट कार्ड

बोले- डबल इंजन की सरकार में हुआ विकास

एजेंसी

- आज उत्तर प्रदेश देश के विकास का ब्रेक थ्रू हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है – सीएम योगी
- आज उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर – योगी
- नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन संपूर्ण समाज की प्रगति का आधार – सीएम योगी

नून। सरकार के 8 साल पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में एक संवाद वार्ता में अपनी सरकार के विकास कार्यों का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस दौरान 8 वर्षों में यूपी सरकार के कार्यकलापों में एक झलक रिपोर्ट कार्ड डॉक्यूमेंट्री सामने आई और पुस्तिका का विमोचन किया गया। संवाद वार्ता को उजागर करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज यह उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज' से अर्थ शक्ति पुंज बन गया है। उत्तर प्रदेश वही है, लेकिन गंतव्य 8 साल के पार्सेप्शन का पूरा भुगतान कर दिया गया है। सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में जो पहचानता है उसका उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरा भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8 साल पहले बीमारू राज्य की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ इंजन बन चुका है।

असम विधानसभा में जोरदार हंगामा

भाजपा का दावा, कांग्रेस विधायक ने उपसभापति पर किया हमला

▶▶ कांग्रेस विधायकों ने भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के खिलाफ विरोध जताने के लिए काले कपड़े पहनकर विधानसभा में भाग लिया, जिन्होंने पिछले सप्ताह सदन के अंदर विपक्षी विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया था और उन पर शारीरिक हमला करने की कोशिश की थी।

एजेंसी

असम विधानसभा में सोमवार को हंगामा देखने को मिला, जब सत्तारूढ़ भाजपा ने आरोप लगाया कि उपसभापति नुमाल मोमिन पर कांग्रेस विधायक नूरुल हुदा ने सदन के बाहर हमला किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। हालांकि, हुदा ने दावा किया कि उन्होंने मोमिन पर हमला नहीं किया, बल्कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सदन का रास्ता रोका। कांग्रेस विधायकों ने भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के खिलाफ विरोध जताने के लिए काले कपड़े पहनकर विधानसभा में भाग लिया, जिन्होंने पिछले सप्ताह सदन के अंदर विपक्षी विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया था और उन पर शारीरिक हमला करने की कोशिश की थी। असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने ट्वीट किया कि कांग्रेस विधायक नूरुल हुदा द्वारा उपसभापति डॉ. नुमाल मोमिन पर शारीरिक हमला न केवल निंदनीय कृत्य है, बल्कि यह विधानसभा और संविधान का सीधा अपमान भी है। असम विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र स्थान है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की जस्टिस यशवंत को वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश

माना जाता है कि सबसे पहले डीएफएस और संभवत: पुलिस के कर्मियों सहित बचावकर्मियों ने स्टोररूम में ढेर सारे पैसे पाए, जिनमें से कुछ कथित तौर पर जले हुए थे। जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी उस समय भोपाल में थे। जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने घर पर मिली नकदी से किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने का प्रस्ताव जारी किया। कुछ दिनों पहले उनके सरकारी आवास पर बेहिसाब नकदी मिलने की घटना हुई थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 20 और 24 मार्च को हुई अपनी बैठकों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने की सिफारिश की है।

सच — डीके शिवकुमार बयान पर बोले रविशंकर प्रसाद

'मुस्लिम वोटबैंक परस्ती में देश कहां जाएगा, सच सामने आ जाता है'

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के संविधान परिवर्तन वाले बयान को लेकर उठे राजनीतिक विवाद पर सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव में भ्रामक प्रचार किया था, जिसमें दावा किया गया था कि अगर भाजपा को बहुमत मिला तो वे संविधान में बदलाव कर देंगे। हालांकि, अब बड़ा सवाल यह है कि तुष्टीकरण की राजनीति के मद्देनजर देश किस दिशा में जाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सच्चाई अपने आप सामने आ जाती है। भाजपा नेता ने कहा कि पिछले दो-तीन साल से कांग्रेस का हम पर आरोप है कि हम संविधान बदल देंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में उनका एकमात्र थीम यही था। जो बिल्कुल छूठ पर आधारित था, एक भ्रामक प्रचार था। उन्होंने कहा कि आज मुझे पहला सवाल उठाना है कि मुस्लिम वोटबैंक परस्ती में देश कहां जाएगा। इन्होंने (कांग्रेस ने) शाहबानो के जजमेंट को पलट दिया था। इसके बाद इतना हंगामा हुआ कि राजीव गांधी को झुकना पड़ा। पूर्व मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं है। पिछड़ेपन के आधार पर ही आरक्षण दिया जा सकता है। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति में चल रही होड़ से सवाल उठता है कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्होंने कहा कि नागपुर हिंसा के मामले में भी कांग्रेस पूरी तरह चुप रही। गांधी परिवार कुंभ में नहीं गया। पहले राहुल गांधी कभी-कभार मंदिर जाते थे, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के दबाव में यह बंद हो गया। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि हम राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पूछना चाहते हैं कि आप देश को बताएं कि जब धर्म के आधार पर आरक्षण जायज नहीं है, तो इसके लिए आप संविधान को नहीं बदलेंगे... देश ये जानना चाहता है। डीके शिवकुमार एक शुरूआत हैं और कांग्रेस पार्टी का हिडेन एजेंडा है कि संविधान को वोट के लिए बदलेंगे। उन्होंने कहा कि यह देश छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेता है और हमेशा औरंगजेब के बजाय छत्रपति शिवाजी महाराज को ही चुनेगा।

भाजपा सीधे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती है कि छत्रपति महाराज और औरंगजेब की विरासत को लेकर चल रहे विवाद पर उनका क्या रुख है। वे अब अपनी सुविधाजनक चुप्पी की आदत के पीछे छिप नहीं सकते।

पूर्व मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं है। पिछड़ेपन के आधार पर ही आरक्षण दिया जा सकता है। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति में चल रही होड़ से सवाल उठता है कि इसका नतीजा क्या होगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए

जनसुनवाई के दौरान लोगों ने राज्य बजट वर्ष 2025-26 में दी गई सौगातों के लिए शर्मा का आभार जताया तथा शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की और लोगों की समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनीं तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने राज्य बजट वर्ष 2025-26 में दी गई सौगातों के लिए शर्मा का आभार जताया तथा शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे। जनसुनवाई में बालोतरा की बबीता कुमारी ने मुख्यमंत्री को दांतों से संबंधित बीमारी की जानकारी दी और शीघ्र इलाज के लिए निवेदन किया. इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बबीता कुमारी को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

फिर उथलपुथल के दौर में नेपाल, लोकतंत्र की बहाली को लेकर दिखाए गए सपने हुए लुप्त

महीनों देश भ्रमण के बाद गत दिनों जब नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह त्रिभुवन एयरपोर्ट पर पहुंचे तो वहां बड़ी संख्या में नेपालवासियों ने उनका स्वागत किया और राजशाही की वापसी के नारे लगाए। इससे माहौल गंभीर एवं रोमांचित हो उठा। लगभग तीन किलोमीटर लंबे जुलूस के साथ ज्ञानेंद्र अपने निजी आवास ह्यनिर्मल निवासह्न पहुंचे। प्रधानमंत्री केपी ओली के विरुद्ध उनके समर्थक जमकर नारेबाजी कर रहे थे नेपाल में राजनीतिक अवसरवादिता और वैचारिक भटकाव अंतहीन है। बीते 17 वर्षों में वहां 13 प्रधानमंत्री बने हैं। हर बार अलग एवं भिन्न दलों के साथ नए नेता के नेतृत्व में सरकारों के गठन ने लोकतंत्र समर्थक पार्टियों को बेनकाब कर दिया है। शुचिता सादगी पारदर्शिता पुरानी बातें हो गई हैं। आज जनता की कुंठा और निराशा स्पष्ट नजर आने लगी है ।कुछ दिन पूर्व ही ओली ने ज्ञानेंद्र को सीधे चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदमकद चित्र लिए युवाओं का नारा लगाना। इसके चलते वहां के राजनीतिक दलों में घमासान मचा है। हालांकि योगी आदित्यनाथ के नाम पर वहां ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है ।मई 2008 में जब योगी आदित्याथ ने काठमांडू में राजशाही और ज्ञानेंद्र के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया था तब उनकी यह घोषणा भी काफी चर्चा में रही थी कि वह लाखों समर्थकों के साथ पुनः नेपाल आकर ज्ञानेंद्र के हाथ मजबूत करेंगे। ओली समर्थक इसे नेपाल के आंतरिक मामलों में विदेशी दखल मानकर निंदा में जुटे हैं ।वहीं राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) इसे अनावश्यक बताकर योगी पोस्टर से पल्ला झाड़ती दिख रही है। आरपीपी के नेपाली संसद में 14 सदस्य हैं। पिछला चुनाव ओली की पार्टी एमाले ने आरपीपी के साथ लड़ा था। यह सत्य है कि राज परिवार और गोरखपुर के गोरखनाथ मठ के बीच बहुत गहरे और सदियों पुराने संबंध हैं, जिसके प्रमुख योगी आदित्यनाथ हैं ।माना जाता है कि शाह राजवंश को गुरु गोरखनाथ का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ, शाह राजवंश के प्रमुख देवता हैं और जब नेपाल में राजशाही थी तब भी वह नेपाल के प्रमुख देवता थे। गोरखनाथ मठ प्रमुख लंबे समय से नेपाल के मठों और मंदिरों में जाते रहे हैं। ज्ञानेंद्र ने पिछले महीने लखनऊ और गोरखपुर में योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी ।यद्यपि ज्ञानेंद्र के एक सहयोगी ने इसका खंडन किया कि इन मुलाकातों को राजनीति से जोड़कर देखना चाहिए। राजनीतिक पद पर होना और धार्मिक मठ की अध्यक्षता करना अलग-अलग बातें हैं। नेपाल में राजशाही का इतिहास पुराना है। नेपाल में इसके विरुद्ध समय-समय पर आवाजें उठती रहीं और जन आंदोलन भी होते रहे ।नेपाल में लोकतंत्र के पक्ष में मजबूती तब आई जब 1951 में 104 साल पुरानी राणाशाही का अंत हुआ ।

आज का विचार

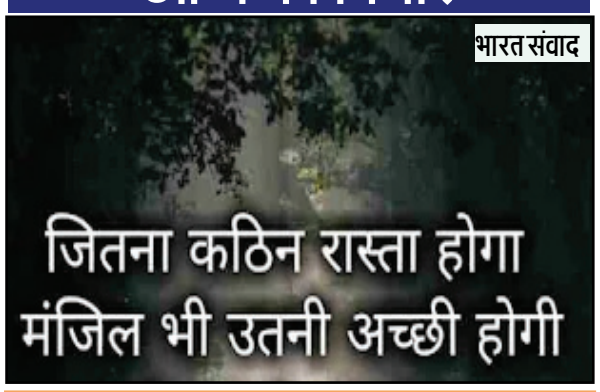

वैश्विक व्यापार में नए समीकरण, आर्थिक सुधारों सहित भारत सरकार की कोशिशें ला रही रंग

वैश्विक व्यापारिक मोर्चे पर ये नए समीकरण भारत को केवल आर्थिक लाभ ही नहीं पहुंचाएंगे बल्कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे साझेदारों के साथ बढ़ती कदमताल से आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापक सक्रियता को गति मिलने से देश के सामरिक हितों की भी पूर्ति होगी। ऐसे में भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए।

यह 2013 की बात है। एक जापानी कंपनी ने भारत में अपने एसी बेचना शुरू किया। उसके एसी की कीमत स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से कम थी। इसमें एक पेच था। इन एसी का निर्माण तो चीन में हुआ था, लेकिन भारत में ये मलेशिया के जरिये आते थे। विनिमार्ता कंपनी ने भारतीय बाजार में प्रवेश के लिए उस देश को माध्यम बनाया जिसके साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए था ।चूंकि चीनी उत्पादों के लिए टैरिफ लागू था तो चीन से उत्पादों को सीधे भारत भेजने पर लागत बढ़ सकती थी। इसके लिए बस पैकेजिंग या असेंबलिंग में कुछहेरफेर करना था और भारत में लगभग शुल्क मुक्त उत्पाद भेजना संभव था। यह एक चतुराई भरा दांव था। पूरी तरह से वैध होते हुए भी यह व्यापार नीति में विसंगतियों को रेखांकित करने वाला रहा और यह कोई इकलौता मामला भी नहीं था ।पूरे एशिया में निर्यातक एफटीए के पिछले दरवाजे से भारतीय बाजार में पैठ बनाने की जुगत में जुटे थे। इसमें अक्सर देसी विनिमार्ताओं के हितों पर आघात होता रहा। समस्या उक्त विसंगति से भी गहरी है। भारत के तमाम व्यापार समझौते विशेषकर 2014 से पहले ऐसे जो अनुबंध हुए, वे रणनीतिक एवं आर्थिक तर्कों के आधार पर नहीं हुए थे ।इस दौरान साफ्टा, जीएसटीपी और श्रीलंका एवं चिली जैसे देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते किए गए जहां फार्मा, पूंजीगत वस्तुएं और भारी मशीनरी जैसे प्रमुख भारतीय नियार्तों के लिए तो कोई खास मांग नहीं थी, लेकिन वे भारत में चीनी सामान खपाने के परोक्ष ठिकाने जरूर बन गए ।इससे देश में आयात बढ़ते गए और भारत ने लाभ के उद्देश्य से जो समझौते किए वे दूसरों को लाभ पहुंचाने वाले एकतरफा अनुबंध बनकर रह गए। इस समस्या की जड़ ह्यरूल्स आफ ओरिजिन यानी वस्तु के मूल स्थान से संबंधित लचर नियमन में थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इस समस्या को चिह्नित किया और व्यापार समझौतों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला ।अब उन समझौतों पर जोर दिया जा रहा है जिसमें दोनों पक्षों को बराबर लाभ हो। इसके लिए सरकार किसी जल्दबाजी में भी नहीं दिखती और पूरा समय लेकर आगे बढ़ रही है। संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई और आस्ट्रेलिया के साथ एफटीए में यही व्यापक दृष्टिकोण झलकता है ।भारत अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यहां तक कि अमेरिका के साथ भी ऐसे ही किसी समझौते पर सक्रियतापूर्वक बातचीत कर रहा है। यह व्यापार नीति के पुनसंयोजन को रेखांकित करता है, जिसमें रक्षात्मक रुख के बजाय रणनीतिक लाभ को माध्यम बनाकर आर्थिक कायाकल्प की जमीन तैयार की जा रही है ।यूएई और आस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते इस दिशा में भारत के नए सोच के परिचायक हैं। इन पर साल भर से कम की वार्ता में मुहर लग गई और इनमें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनमें भारत निर्यात के लिहाज से मजबूत है। यूएई ने भारत के करीब 90 प्रतिशत नियार्तों पर टैरिफ खत्म कर दिया है जिसमें रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और इंजीनियरिंग वस्तुओं जैसे उत्पाद शामिल हैं ।ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौते से भारतीय दवा, कपड़ा और आईटी सेवाओं की एक बड़े बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र को संरक्षण भी प्रदान किया गया। ये समझौते केवल टैरिफ में कटौती तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि इन्हें इस प्रकार आकार दिया गया कि संभावनाशील बाजारों में पैठ बनाने के साथ ही घरेलू हितधारकों के हितों की भी रक्षा की जा सके ।वहीं, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अगर अमेरिका को भी जोड़ लें तो इन पक्षों के साथ व्यापार समझौतों में इन बाजारों की प्रकृति एवं स्वरूप अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। ये सभी धनी और स्थापित मानदंडों से जुड़े बाजार हैं जहां भारतीय उत्पादों को ऊंचे दाम मिलना संभव है ।इन बाजारों में पैठ से भारतीय उत्पादकों को अपनी समूची वैल्यू चेन को समृद्ध करने का अवसर मिलेगा। उन्हें गुणवत्तापरक मानकों पर खरा उतरने के लिए अपेक्षित प्रयास करने होंगे ।यह व्यापार कूटनीति में रणनीतिक दृष्टिकोण के प्रवर्तन को दशार्ता है जो वस्तुओं के परे भी तमाम पहलुओं को समाहित करने वाला है। इनमें सेवाएं, डिजिटल व्यापार, निवेश प्रवाह और नियामकीय सहयोग जैसे बिंदुओं को भी जोड़ा जा रहा है ।भारत के सेवा क्षेत्र एवं उभरते हुए स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए ये महत्वपूर्ण हैं ।ये न केवल निर्यात, अपितु नवाचार, हरित प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सामर्थ्य की दृष्टि से भी अहम हैं। चूंकि कोविड-19 के बाद चीन संबंधी जोखिम बढ़ने के साथ ही वैश्विक व्यापार की दशा-दिशा काफी बदली है तो भविष्य को देखते हुए यह भारत के लिए व्यापक अवसरों के द्वार खोलने की क्षमता रखते हैं ।इस चर्चा में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब विश्व में बहुपक्षीय व्यापार और संस्थान दबाव में हैं तब आखिर क्यों दुनिया के तमाम देश भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को और गहरा करने में दिलचस्पी रखते हैं। यह रणनीतिक एवं आर्थिक, दोनों प्रकार के आकलनों को दशार्ता है ।असल में भारत का बढ़ता उपभोक्ता आधार, तेजी से बढ़ता मध्य वर्ग और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने की संभावनाओं ने भारत को एक आकर्षक व्यापार साझेदार के रूप में स्थापित किया है। साथ ही साथ वैश्विक कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला निर्भरता के भी नए सिरे से आकलन में जुटी हैं ।इस परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी श्रम लागतों, औद्योगिक नीति सुधारों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के दम पर भारत एक भरोसेमंद वैकल्पिक विनिमार्ता के रूप में उभर रहा है ।वैश्विक व्यापारिक मोर्चे पर ये नए समीकरण भारत को केवल आर्थिक लाभ ही नहीं पहुंचाएंगे, बल्कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे साझेदारों के साथ बढ़ती कदमताल से आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापक सक्रियता को गति मिलने से देश के सामरिक हितों की भी पूर्ति होगी। ऐसे में भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए। इस दिशा में आर्थिक सुधारों सहित भारत सरकार की कोशिशें अब कुछ रंग लाती दिख रही हैं।

राशिफल

मेष राशि : मेष राशि के घर कल के दिन किसी अतिथि का आगमन हो सकता है. आप अपने सामाजिक व राजनीतिक कार्यक्रमों में काफी सक्रिय रहेंगे, जिससे आपकी छवि और निखरेगी. आप अपनी सुख समृद्धि को भी बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोडेंगे.

वृषभ राशि : वृषभ राशि को कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है. आप अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. आपको आर्थिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए कल का दिन लाभदायक रहने वाला है. ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को यदि अपने धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल जाता है. आपकी यश व कीर्ति बढ़ेगी. कार्य क्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क राशि : कर्क राशि की जातकों को कल के दिन अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी. माता-पिता आपके प्रत्येक काम में पूरा साथ देंगे. आप भाइयों से यदि किसी काम को लेकर धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा.

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के लिए कल का दिन मान सम्मान मे वृद्धि लेकर आने वाला है. विद्यार्थियों ने यदि परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम बेहतर रहेंगे. आपको एक साथ काफी काम हाथ लगने से आपकी व्याग्रता बढ़ेगी. आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के कल सभी काम सफल होंगे. आपको अप्रत्याशित लाभ मिलेगा. आपके धन लाभ से आपके सभी काम पूरे होते दिख रहे हैं. आपने यदि किसी काम को लेकर कोई लोन अप्लाई किया था, तो उसके आपको मिलने की संभावना है.

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए कल का दिन उत्साहपूर्ण रहने वाला है. दांपत्य जीवन में आपकी छवि और निखरेगी. कार्य क्षेत्र में आप अपने कामो को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मश्वरा कर सकते हैं.

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल का दिन मंगलमय रहने वाला है. सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को ट्रांसफर मिलने की संभावना है. आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है.

धनु राशि : धनु राशि के जातकों के लिए दिन मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है. आपका कोई जमीन जायदाद से संबंधित मामला सुलझेगा. सरकारी क्षेत्रो में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए कल का दिन कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि लेकर आने वाला है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है. पारिवारिक सुख साधनों में वृद्धि होगी.

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जो जातक राजनीति में कार्यरत हैं, उनके लिए कल का दिन अच्छा रहेगा. कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे. आप अपने विरोधियों पर भी आसानी से विजय प्राप्त कर सकेंगे. आप आत्मनिर्भर होकर काम करेंगे और आपको कोई जिम्मेदारी मिलेगी, तो आप उससे भी नहीं घबराएंगे. परिवार में कुछ समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी, जिन्हें आप बड़े सदस्यों की मदद से मिलकर दूर करने की कोशिश करेंगे.

मीन राशि : मीन राशि के जातक कल किसी काम में बिना सोचे समझे आगे न बढ़ें, क्योंकि आपके विरोधी आपके खिलाफ कोई साजिश रच सकते हैं. आपके बिजनेस की कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी. आपको धैर्य व साहस से कामों को निपटने की आवश्यकता है. संतान को कहीं बाहर से पढ़ाई के लिए कोई ऑफर आ सकता है. आपको अपने कामों को लेकर धैर्य व साहस दिखाने होंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सूर्य की रोशनी से सेहत से टूटता रिश्ता

विजय गर्ग

विटामिन डी एक ऐसा पोषक तत्त्व है, जिसे अक्सर 'सनशाइन विटामिन' भी कहा जाता है, क्योंकि यह प्राकृतिक रूप से सूर्य की रोशनी से प्राप्त होता है। हमारे शरीर में यह विटामिन हड्डियों को मजबूत कैल्शियम और फास्फोरस के संतुलन को दुनिया बनाने, बनाए रखने तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हाल के वर्षों में विटामिन डी की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर कर सामने आई है। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण, प्रदूषण और दफ्तर तथा घर के भीतर लगातार रहने के कारण बहुत से लोगों में विटामिन की कमी हो रही है। यह कमी न केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिलते हैं। सूर्य की किरणें हमारे जीवन का एक अनमोल उपहार हैं, लेकिन आज के समय में लोग कंप्यूटर, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों के साथ इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे बाहरी वातावरण में निकलने का समय ही नहीं निकाल पाते। परिणामस्वरूप उन्हें सूर्य की किरणों का लाभ नहीं मिल पाता।

कुछ बड़े शहरों में जहां वातावरण में प्रदूषक कण अधिक मात्रा में होते हैं, वहां सूर्य की किरणें धरती कम पहुंच पाती हैं। इसके अलावा लोग विटामिन डी के प्राकृतिक स्रोतों को समझने और अपनाने में असमर्थ रहते हैं, जिसके कारण उन्हें इस पोषक तत्त्व की कमी होती है। दरअसल, , हमारे शरीर को आवश्यक मात्रा में यह विटामिन प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी के साथ-साथ संतुलित आहार भी उतना ही अहम है। कुछ परिस्थितियों में डाक्टर की सलाह पर पूरक के रूप में भी उपयोग किया जाता जाता है, लेकिन यह ध्यान रखना आवश्यक है कि इसकी सही खुराक और सही तरीके से उपयोग ही लाभकारी होता है। आजकल के खानपान में पौष्टिकता की कमी हो गई है। जहां पहले लोग ताजे फल-सब्जियां और प्राकृतिक रूप से उगाए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करते थे, वहीं अब 'फास्ट फूड' और प्रसंस्कृत खाद्य का चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिन डी की प्राकृतिक मात्रा नहीं होती, जिससे शरीर को इस विटामिन की कमी का सामना करना पड़ता है।इसके अलावा, कुछ लोग आहार में विविधता न होने के कारण आवश्यक पोषक तत्त्वों को संतुलित रूप से नहीं ले पाते, जिसके चलते उनकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस समय समाज में विटामिन डी की कमी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। जब लोगों को इस विटामिन की महत्ता का पता चलता है, तो वे अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव लाते हैं। यह आवश्यक भी है। मसलन, नियमित रूप से थोड़ी-थोड़ी देर के लिए बाहर निकलना, प्राकृतिक धूप का लाभ उठाना, संतुलित आहार लेना और आवश्यकतानुसार पूरक का सेवन करना इस कमी को दूर करने में सहायक हो सकते हैं।

जब हम इस कमी के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की बात करते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। जब बड़ी संख्या में लोग विटामिन डी की कमी से ग्रस्त हो जाते हैं, तो यह स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर अतिरिक्त बोझ डालता है। अस्पतालों में हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं के इलाज में अधिक खर्च आता है और साथ ही लोगों की कार्य क्षमता में भी कमी आती है, जिससे समाज के आर्थिक ढांचे पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार, विटामिन डी की कमी एक बड़ी समस्या बन चुकी है, जिसके प्रतिकूल प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस समस्या से निपटने के लिए व्यक्तिगत प्रयास के साथ-साथ सरकारी नीतियों और सामुदायिक प्रयासों का होना भी जरूरी है। स्वास्थ्य विभागों और सरकारी संस्थाओं द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच, विटामिन डी परीक्षण और पोषक तत्त्व मिलाए गए खाद्य पदार्थों के प्रचार-प्रसार के माध्यम से इस कमी को दूर करने की कोशिश की जा रही है। कई देशों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को विटामिन डी की महत्ता और इसके स्रोतों के बारे में बताया जा रहा है। स्कूलों, कालेजों और कार्यस्थलों पर भी स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी साझा की जा रही है, ताकि युवा पीढ़ी इस कमी के प्रति सजग रहे। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक अनुसंधान भी इस दिशा में निरंतर जारी है। अध्ययनों से स्पष्ट है कि इस विटामिन की कमी केवल हड्डियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव संपूर्ण शरीर की क्रियाओं पर पड़ता है।

आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बावजूद, कई कई लोग अब भी विटामिन डी की महत्ता को समझ नहीं पाए हैं। लोग अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहते हैं और स्वास्थ्य की छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। मगर जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, विटामिन डी की की कमी के लक्षण स्पष्टहो जाते हैं। बच्चे, युवा और सभी को इस प कमी का सामना करना पड़ता है, पर बुजुगों में यह समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। इसके अतिरिक्त, मोटापे वाले लोगों में में यह विटामिन शरीर के वसा ऊतक के में जमा जाता है, जिससे इसकी उपलब्धता और भी कम हो जाती है। विटामिन डी की कमी के समाधान के लिए हमें कई स्तरों पर काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले व्यक्तिगत स्तर पर, हमें अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे। इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता फैलाने की जरूरत है। सरकार और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा भी इस दिशा में कई पहल की जा रही है, जैसे विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों का वितरण, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन और नियमित स्वास्थ्य जांच के कार्यक्रम। इसके अलावा, तकनीकी नवाचार इस कमी को दूर करने में म भूमिका निभा सकते हैं। 'डिजिटल हेल्थ ऐप्स' के माध्यम से लोगों को उनके विटामिन डी की जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है, जिससे उन्हें समय रहते पता चल सके कि उन्हें किस प्रकार के सुधार की आवश्यकता हैविटामिन डी की कमी की समस्या केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ता है। यदि हम इस कमी को समय रहते पहचान कर उचित कदम नहीं उठाते उठाते हैं, तो , तो भविष्य में और अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है हैं। आज जब हम कई बीमारियों और संक्रमणों से लड़ रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि अपने शरीर के मूल पोषक तत्त्वों को नजर अंदाज न करें।

हमारी सोच से आगे महिलाएं, वैचारिकता बदलनें की दरकार।

संजीव ठाकुर

निश्चित तौर पर भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया हैनिश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है, और सुबह चमकदार और उजाले से भरपूर होती है स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है अब महिलाओं को कमजोर या असक्त समझने की भूल मत करिए और अपने विचारों को नयेपन की खिड़की से ताजी हवा दीजिए, महिलाओं को सुविधाएं मिले या ना मिले अधिकार मिले या ना मिले वे अपने प्रयासों से समाज में धीरे-धीरे अपना अहम स्थान बनाते जा रही हैं। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है।

माफी नहीं मांगूंगा, लेकिन...

मुंबई पुलिस ने कुणाल कामरा को किया फोन

- मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने अभी तक कुणाल कामरा को उनके सामने पेश होने के लिए कोई तारीख नहीं दी है। स्टैंड-अप कॉमेडियन ने पूर्ववर्ती शिवसेना से अलग होकर भाजपा में शामिल होने के लिए शिंदे पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया। उनकी टिप्पणी के बाद, राजनीतिक संगठन ने उन्हें धमकियों और पुलिस शिकायत के माध्यम से निशाना बनाया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, कॉमेडियन कुणाल कामरा ने पुलिस से कहा है कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर अपने कथित कटाक्ष के लिए 'माफी नहीं मांगेंगे', लेकिन उन्होंने कहा कि वह कानून का पालन करेंगे। सूत्रों के अनुसार, कामरा ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे, लेकिन फिलहाल वह मुंबई में नहीं हैं। मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने अभी तक कुणाल कामरा को उनके सामने पेश होने के लिए कोई तारीख नहीं दी है। स्टैंड-अप कॉमेडियन ने पूर्ववर्ती शिवसेना से अलग होकर भाजपा में शामिल होने के लिए शिंदे पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया। उनकी टिप्पणी के बाद, राजनीतिक संगठन ने उन्हें धमकियों और पुलिस शिकायत के माध्यम से निशाना बनाया।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई अपमाजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। फडणवीस ने यह भी कहा कि ऐसे निंदनीय कृत्यों का समर्थन करने वाले अर्बन नक्सलियों और वामपंथी उदारवादियों को सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह बयान शिंदे के खिलाफ कामरा की कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच आया है।

नागपुर दंगे के मास्टरमाइंड फहीम खान का घर जमींदोज

महाराष्ट्र में पहली बार फडणवीस का दंगाई पर बुलडोजर एक्शन

नागपुर में हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम खान के अवैध कब्जे पर नगर निगम ने बुलडोजर चलाया। देवेंद्र फडणवीस के ऐलान के बाद नगर निगम ने फहीम को 24 घंटे का नोटिस देकर उसके घर का अगला हिस्सा ढहा दिया। इस तरह की कार्रवाई महाराष्ट्र में पहली बार हुई है।

- नागपुर में दंगों के आरोपी फहीम खान का मकान ढहा गया।
- फहीम खान ने भड़काऊ पोस्ट्स और वीडियो शेयर किए।
- दंगाईयों के खिलाफ कार्रवाई में बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, नागपुरः औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुए प्रदर्शन के बीच बीते हफ्ते नागपुर में हिंसा हुई थी। इस हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम खान पर देवेंद्र फडणवीस का बुलडोजर चला है। सोमवार की सुबह फहीम खान के दो मंजिला मकान का अगला हिस्सा ढहा दिया गया। नगर निगम ने फहीम के परिवार के अवैध कब्जा हटाने का 24 घंटे का नोटिस दिया था। मियाद पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम ने कब्जे पर बुलडोजर चलाया।17 मार्च को नागपुर के कई हिस्सों में दंगे हुए। सरकार ने हिंसा बढ़ने से रोकने के लिए कर्फ्यू लगा दिया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो सामने आया कि यह हिंसा आकस्मिक नहीं भड़की थी बल्कि यह एक सोचीसमझी साजिश थी।

फहीम खान पर क्या आरोप

जांच में पता चला कि नागपुर हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम खान है। फहीम ने सोशल मीडिया पर कई भड़काऊ पोस्ट किए। लोगों को वॉट्सऐप मैसेज भेजकर एकत्र होने का कहा। उनसे भड़काऊ बातें कहीं जिसके बाद दंगे भड़के।

नगर महापालिका ने दिया था 24 घंटे का नोटिस

उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ की तर्ज पर देवेंद्र फडणवीस ने ऐलान किया कि दंगाईयों के घर बुलडोजर चलेगा। इसके अलावा उन्होंने दंगे में हुए नुकसान की भरपाई भी दंगाईयों से ही करने का ऐलान किया। देवेंद्र फडणवीस के ऐलान के बाद नागपुर महानगर पालिका (ठटउ) ने फहीम खान के संजय बाग कॉलोनी स्थित घर को नोटिस दिया। नोटिस में कहा गया कि उनका मकान अवैध कब्जे पर बना है। उन्हें 24 घंटे के अंदर इसे हटाने को कहा गया।

सुबह ही जीसीबी लेकर पहुंचे अफसर और पुलिस

सोमवार सुबह 10 बजे से पहले संजय बाग कॉलोनी में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई। अफसरों की टीम जेसीबी लेकर पहुंची और फहीम खान के दो मंजिला घर को तोड़क कार्रवाई शुरू हुई। महाराष्ट्र में यह पहली बार है जब दंगों के किसी आरोपी की संपत्ति पर ठटउ ने इस तरह की कार्रवाई की है।

फास्ट ट्रैक

3 वर्ष से अधिक समय से एक ही मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों के स्थानांतरण का परिवहन मंत्री का निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , राज्य परिवहन निगम में तीन साल से अधिक समय से एक ही मुख्यालय में तैनात अधिकारियों का तत्काल स्थानांतरण करें , ऐसे निर्देश परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसटी प्रशासन को दिये हैं। वे विधायक गोपीचंद पडलकर और विधायक सदाभाऊ खोत के नेतृत्व में श्रमिक संगठन एसटी कर्मचारियों की जिज्ञासाओं को लेकर बुलाई गई बैठक में बोल रहे थे।

इस बैठक में विधायक गोपीचंद पडलकर और सदाभाऊ खोत के साथ एसटी कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विवेक भीमनवार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक पडलकर ने कहा कि क्योंकि कई अधिकारी वर्षों से एक ही मुख्यालय में बैठे हैं, इसलिए वे कुछ कर्मचारियों के साथ हित संबंध विकसित करते हैं। ऐसा करके वे अन्य सभी आम कर्मचारियों के साथ अन्याय करते हैं। इससे एसटी प्रशासन की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए भविष्य में तीन साल से अधिक समय से एक ही मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों का तत्काल स्थानांतरण किया जाए। इस मांग की पुष्टि करते हुए मंत्री सरनाईक ने निर्देश दिया कि एसटी प्रशासन इस मामले की समीक्षा कर तत्काल कार्रवाई करे। इस अवसर पर कर्मचारियों की वित्तीय मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। सत्र की समाप्ति के बाद मुख्यमंत्री एवं दोनों उपमुख्यमंत्रियों से चर्चा कर यह निर्णय लिया जायेगा कि कर्मचारियों को उचित न्याय दिलाया जा सके। ऐसा आश्वासन प्रतिनिधिमंडल को दिया है। इस दौरान मंत्री सरनाईक ने संगमनेर (जिला अहिल्यानगर) बस स्टैंड क्षेत्र की समस्या को लेकर विधायक सत्यजीत तांबे और अमोल खटाल के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की। छत्रपति शिवाजी महाराज के स्मारक के लिए विस्तारित जगह उपलब्ध कराने, संगमनेर बस स्टेशन पर नासिक-पुणे राजमार्ग पर चलने वाली बसों को रोकने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

पिकनिक पर गई ठाणे कलेक्टर की निजी सहायक समुद्र की लहर में फंसी, चट्टान से टकराने के बाद मौत

ठाणे कलेक्टर की पीए की हरिहरेश्वर बीच पर हुई मौत

- पिकनिक मनाने के दौरान तेज लहर की चपेट में आई
- तेज लहर में फंसने के बाद एक चट्टान से टकराई पीए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/ठाणेः मुंबई से सटे ठाणे से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। ठाणे जिले के कलेक्टर की पीए (निजी सहायक) की रविवार सुबह हरिहरेश्वर समुद्र तट पर डूबने से मौत हो गई। ठाणे कलेक्टर की पर्सनल सेक्रेटरी आठ अन्य साथियों के साथ पिकनिक मनाने के लिए गई थीं। पिकिनिक के दौरान जब वह समुद्र में थीं तो वह तेज लहर में फंस गई। इसके बाद वह बह गईं। इस दौरान चट्टान से टकराने और डूबने से मौत हो गई।

सीपीआर नहीं आया काम

रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घर्गे के अनुससार पल्लवी सरोदे (37) और उनके साथी पानी में उतरे थे और उन्हें गहराई का अंदाजा नहीं था। वे कमर तक पानी में डूबे हुए थे, तभी अचानक एक बड़ी लहर ने उन्हें बहा दिया।

वह एक चट्टान से टकराईं और पानी उनके नाक और मुंह में चला गया। मौके पर बचाव दल मौजूद था। उन्होंने उन्हें पानी से बाहर निकाला और सीपीआर दिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सरोदे 2012 में क्लर्क के पद पर सेवा में शामिल हुए और 2024 में उन्हें सहायक राजस्व अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया।

13 साल के बेटे ने मां को खोया

कलेक्ट्रेट के अधिकारी उन्हें मुस्कुराते चेहरे वाली, हमेशा मदद के लिए तत्पर और काम में मेहनती महिला के रूप में याद करते हैं। उनके परिवार में पति, सास-ससुर और एक 13 वर्षीय बेटा है। सूत्रों ने बताया कि वह आठ अन्य सहकर्मियों के साथ श्रीवर्धन में पिकनिक मनाने गई थीं और बाद में हरिहरेश्वर गईं। पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को ठाणे लाया गया। समुद्र में राजस्व अधिकारी के डूबने की घटना के बाद हर कोई स्तब्ध है।

कुणाल कामरा विवाद में बीएमसी की एंट्री, हथौड़ा लेकर स्टूडियो पहुंची टीम

- शिवसेना ने कुणाल कामरा की कविता पर किया हंगामा
- हैबिटेट स्टूडियो ने अनिश्चितकाल के लिए किया बंद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की एक कविता को लेकर शिवसेना आक्रामक हो गई है। शिवसेना ने कामरा पर अपनी कविता के जरिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अपमान करने और उनका मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। शिवसैनिकों ने मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो में घुसकर तोड़फोड़ की। जहां कामरा स्टैंड-अप कॉमेडी करते थे। शिवसेना नेताओं ने चेतावनी दी कि वे कुणाल कामरा को वापस नहीं आने देंगे। इसके बाद अब मुंबई महानगरपालिका भी इन सारे विवादों में कूद पड़ी है।

बीएमसी की टीम हैबिटेट स्टूडियो पहुंची

मुंबई नगर निगम के अधिकारियों की एक टीम हथौड़ा हैबिटेट स्टूडियो पहुंच गई है। इसलिए इस बात पर सबकी नजर है कि नगर निगम इस मामले में क्या कार्रवाई करेगा? नवंबर 2020 में राज्य में महा विकास अघाड़ी सरकार सत्ता में थी। उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उस समय अभिनेत्री कंगना रनौत ने ठाकरे सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद मुंबई महानगरपालिका ने कार्रवाई करते हुए कंगना के खार स्थित दफ्तर पर बुलडोजर चला दिया था। अब इस बात पर चर्चा तेज हो गई है कि क्या नगरपालिका हैबिटैट के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई करेगी।

हैबिटेट स्टूडियो ने जारी किया बयान

कामरा के शो के बाद उठे विवाद के बाद हैबिटेट स्टूडियो ने एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि हम स्टूडियो को अनिश्चित काल के लिए बंद कर रहे हैं। 'कलाकार अपने द्वारा व्यक्त विचारों के लिए स्वयं जिम्मेदार होता है। उन्होंने जो विषय-वस्तु प्रस्तुत की, उसमें हमें कभी शामिल नहीं किया गया। लेकिन वर्तमान घटनाओं ने हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमें ही इन सबके लिए क्यों दोषी ठहराया जा रहा है

पश्चिम रेलवे की तीन स्पेशल ट्रेनों का धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09129/09130 बांद्रा टर्मिनस-रीवा साप्ताहिक स्पेशल, ट्रेन संख्या 09025/09026 वलसाड-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल और ट्रेन संख्या 09575/09576 राजकोट-महबूबनगर साप्ताहिक स्पेशल का धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:-

1. बांद्रा टर्मिनस से शुरू होने वाली ट्रेन संख?या 09129 बांद्रा टर्मिनस-रीवा साप्ताहिक स्पेशल को 27 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 13:34 बजे पहुंचेगी और 13:36 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, रीवा से शुरू होने वाली ट्रेन संख?या 09130 रीवा-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल को 28 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 03:31 बजे पहुंचेगी और 03:33 बजे प्रस्थान करेगी।

2. वलसाड से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09025 वलसाड - दानापुर साप्ताहिक स्पेशल को 24 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 13:34 बजे पहुंचेगी और 13:36 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, दानापुर से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09026 दानापुर- वलसाड साप्ताहिक स्पेशल को 25 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 16:30 बजे पहुंचेगी और 16:32 बजे प्रस्थान करेगी।

3. राजकोट से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09575 राजकोट-महबूबनगर साप्ताहिक स्पेशल को 24 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 03:42 बजे पहुंचेगी और 03:44 बजे प्रस?थान करेगी। इसी तरह, महबूबनगर से शुरू होने वाली ट्रेन संख्या 09576 महबूबनगर-राजकोट साप्ताहिक स्पेशल को 25 मार्च, 2025 से धरनगांव स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन धरनगांव स्टेशन पर 16:42 बजे पहुंचेगी और 16:44 बजे प्रस्थान करेगी।विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,कांजूर के ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा सुबह 10 से 12 बजे तक दो स्कूलों, सौ लक्ष्मीबाई इंग्लिश मीडियम स्कूल और आर आर एजुकेशन ट्रस्ट म्हाडा कॉलोनी, मुलुंड पूर्व में सार्वजनिक विकास शिविर के तहत यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष प्रसाद कुलकर्णी के नेतृत्व में 30 शिक्षक और 150 छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा एवं नियमों की जानकारी देना था। छात्रों को सड़क सुरक्षा बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने के बारे में बताया गया।कार्यक्रम का मार्गदर्शन कांजूर यातायात विभाग के प्रभारी पुलिस निरीक्षक बजरंग झेंडे ने किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। खासकर युवा पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा नियमों की शपथ दिलाई गई तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रों के बीच यातायात सुरक्षा जागरूकता पैदा करने की इस पहल पर शिक्षकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी। शिक्षकों ने ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता जताई, ताकि छात्र अधिक जागरूक हो सकें।

मध्य रेल

13 टन आईसीएफ बोगी फ्रेम का सुदृढीकरण

ई-टेंडर नोटिस

खुली निविदा संख्या: 1) पी आर-ICF-IOH-24-25-696A. दि.: 21/03/2025. **कार्य का विवरण:** परेल वर्कशॉप में 13 टन आईसीएफ बोगी फ्रेम का सुदृढीकरण। **मात्रा:** 740 बोगी फ्रेम। **अनुमानित लागत:** रु. 42,15,077/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** -- **ईएमडी:** रु. 84,300/- **समापन अवधी:** बारह माह। ई-निविदा की जमा करने की तिथी एवं अवधि दि. **15.04.2025** को 17.00 बजे तक है ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारीक वेबसाइट: **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मुख्य कारखाना प्रबंधक, परेल 863

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे

किराये के आधार पर डेजर्ट कूलर का प्रावधान

सीनियर डीईई/पी/मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई-निविदा संख्याः ईएल-81-36-398-डब्यूए-81 (आर) **दिनांक** 21-03-2025 को आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थानः** वलसाड सेक्शनः विभिन्न स्थानों पर 4 महीने की अवधि के लिए किराए के आधार पर डेजर्ट कूलर उपलब्ध कराए जाएंगे। **कार्य की लागत लगभगः** 10,49,200/-। बोली सुरक्षा **ईएमडी की लागतः** 21,000/-। **जमा करने की तिथि और समयः** 15.04.2025, को 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समयः** 15.04.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

1225

हमें लाइक करें:facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वलसाड और बांद्रा टर्मिनस पर रेल कोच रेस्तरां का प्रावधान

अप्रैल 2025 के महीने के लिए वलसाड और बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर रेल कोच रेस्तरां के लिए ई-नीलामी आयोजित की जाएगी।

नीलामी सूची संख्याः बीसीटी-सीटीजी-25-19

ई-नीलामी की तिथिः 04.04.2025

क्रम संख्या	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन श्रेणा	स्थान
एए/1	एमएसएस-बीसीटी-बीडीटीएस-आरसीआर-18-23-1	बांद्रा टर्मिनस	ए1	स्टेशन बिल्डिंग से उत्तरी निकास पर पार्सल कार्यालय से सटा हुआ
इकाई का प्रकारः रेल कोच रेस्तरां, क्षेत्रफल (वर्ग मीटर): 282 वर्ग मीटर, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।				
AA/2	MSS-BCT-BL-RCR-13-24-1	वलसाड	ए	पश्चिम परिसंचारी क्षेत्र
यूनिट का प्रकारः रेल कोच रेस्टोरेंट, क्षेत्रफल (वर्गमीटर): 305 वर्गमीटर, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।				

नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे ध्र्डिंए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 1223

Like us on: f facebook.com/WesternRly Follow us on:XX.com/WesternRly

गद्दारों को गद्दार कहना किसी पर हमला नहीं, कुणाल कामरा के समर्थन में उतरे उद्धव ठाकरे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि कुणाल कामरा ने कुछ भी गलत नहीं किया, उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने सोमवार को मांग की कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उस स्टूडियो में तोड़फोड़ करने वाले शिवसेना के कार्यकर्ताओं से नुकसान की भरपाई करनी चाहिए जहां स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का शो शूट हुआ था

मुंबई, कुणाल कामरा विवाद और शिवसेना (शिंदे गुट) कार्यकर्ताओं द्वारा की गई तोड़फोड़ पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुणाल कामरा ने कुछ गलत कहा है। उन्होंने कहा कि गद्दार को गद्दार कहना किसी पर हमला नहीं है। पूरा गाना (कुणाल कामरा के शो का) सुनें और दूसरों को भी सुनाएँ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शिवसेना का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है, यह गद्दार सेना ने किया है। जिनके खून में गद्दारी है वे कभी शिवसैनिक नहीं हो सकते।उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि कुणाल कामरा ने कुछ भी गलत नहीं किया, उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने सोमवार को मांग की कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उस स्टूडियो में तोड़फोड़ करने वाले शिवसेना के कार्यकर्ताओं से नुकसान की भरपाई करनी चाहिए

लापता किसान का शव मिला

गाजियाबाद, मोदीनगर के गांव शाहजहांपुर से लापता हुए किसान का शव रविवार सुबह गांव रोरी क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों से बरामद हुआ। मृतक की पहचान 49 वर्षीय पुष्पेंद्र राठी के रूप में हुई है। पुष्पेंद्र राठी शनिवार शाम को किसी काम से घर से निकले थे। रात तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। रविवार सुबह रोरी क्षेत्र में रेलवे फाटक से कुछ दूर एक व्यक्ति का लहूलुहान शव मिलने की सूचना मिली।

ग्रेटर मुंबई नगर निगम

रुचि की अभिव्यक्ति के लिए विज्ञापन

विषयः सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी 'डी' में रिक्त पदों को एनजीओ के माध्यम से अनुबंध के आधार पर भरने के संबंध में।

एम पश्चिम वार्ड में मातोश्री रमाबाई अंबेडकर मैटरनिटी होम, चेंबूर नाका विभाग के माध्यम से स्वैच्छिक संगठन (बचत समूह को छोड़कर) के माध्यम से श्रेणी 'डी' में रिक्त पदों को भरें। संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना है। फर्म का पीएफ/ईएसआईसी पंजीकरण अनिवार्य है।

आवेदन का नमूना मातोश्री रमाबाई अंबेडकर मैटरनिटी होम, चेंबूर नाका कार्यालय में 17.03.2025 से 24.03.2025 तक सुबह 10.30 बजे से शाम 04.00 बजे के बीच जमा किया जा सकता है। अंतिम तिथि 24.03.2025 है अंतिम तिथि 24.03.2025 (शाम 04.00 बजे तक) है।

उल्लिखित कार्यालय समय के बाद प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

वैदयकिय अधिकारी (प्रभारी)
मातोश्री रमाबाई आंबेडकर
प्रसुतिगृह चेंबुरमाका

पीआरओ / 2859 विज्ञा0 / 2024.25

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

क्र.सं.	ई-निविदा सं. एवं कार्य का नाम	निविदा मूल्य (रु.)	ईएमडी रु.
1	249-2024-25 राजकोट-जेतलसर डिवीजन द्वारा अनुमोदित कार्य के तहत ADEN-जेतलसर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न यार्डों में यार्ड नालियों का निर्माण:वीरपुर, गोंडल, रिबडा और जेतलसर जंक्शनों पर यार्डों का सुधार और उन्नयन।	4,48,30,750.37	3,74,200.00
2	250-2024-25 राजकोट-जेतलसर डिवीजन के अनुमोदित कार्य के तहत ADEN-जेतलसर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न यार्डों में ट्रैक संबंधी कार्य:वीरपुर, गोंडल, रिबडा और जेतलसर जिलों में यार्डों का सुधार और उन्नयन।	3,10,86,694.36	3,05,400.00
3	251-2024-25 सोमनाथ:- आर.ओ. प्लांट की मरम्मत तथा 24 माह के लिए आर.ओ. प्लांट का संचालन एवं रखरखाव। (2) आर.ओ. प्लांट की मरम्मत।	19,14,268.10	38,300.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: बोली प्रारंभ होने की तिथि: 01/04/2025 **बोली बंद होने की तिथि** : 15/04/2025 एनआईटी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **दिनांक : 21/03/2025** को अपलोड कर दी गई है। 226

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या एस/16/2025 दिनांक 21.03.2025

एस.एन.	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
139	अर्थ रिटर्न ब्रश का प्रावधान।	1474 संख्या	10-अप्रैल-25
140	पीयू पेंट्स के लिए थिनर	41309 लीटर	14-अप्रैल-25
141	48 फाइबर आर्मर्ड ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी)	2566 किमी	14-अप्रैल-25
142	ब्रेन एंडोस्कोपी सिस्टम	2 संख्या	14-अप्रैल-25
143	एलएचबी के लिए बायो-डाइजेस्टर सिस्टम	96 संख्या	16-अप्रैल-25
144	आईसीएफ बोगी फ्रेम व्यवस्था	40 संख्या	16-अप्रैल-25
145	एस्कॉर्ट्स के एक्सल माउंटेड डिस्क ब्रेक सिस्टम के लिए जरूरी किट।	15 सेट	18-अप्रैल-25
146	एम.एस. एंगल साइज 20ó20ó25 मिमी	160000किग्रा	19-अप्रैल-25
147	बीजी के लिए 8.5 सीएमएस क्रॉसिंग में 1 इंच। पीएससी स्लीपर पर 60 किलोग्राम (यूआईसी)	37 सेट	21-अप्रैल-25
148	कॉइल स्प्रिंग के लिए रोटरी टेबल एयरलेस सेंट्रीफ्यूगल शॉट ब्लास्टिंग प्लांट	2 संख्या	21-अप्रैल-25
149	थ्री फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए सतर्कता नियंत्रण उपकरण	11 संख्या	21-अप्रैल-25
150	इलेक्ट्रिकल कंप्रेसर और HYD कंप्रेसर	6 संख्या	21-अप्रैल-25
151	मल्टीपैरा मॉनिटर 2 नर्सिंग स्टेशन के साथ संलग्न सहायक उपकरण	40 संख्या	21-अप्रैल-25
152	11200 मिमी घुमावदार स्विच ZU1 -60 / 60E1A1 मोटी वेब टंग रेल के साथ	20 सेट	23-अप्रैल-25
153	ट्रेन के लिए सीटीआरबी बेयरिंग।	128 नग	02-मई-25
154	स्पाइन एंडोस्कोपी सिस्टम	2 नग	02-मई-25
155	सीएनसी ड्रिलिंग और ऑक्सी-फ्यूल प्रोफाइल कटिंग मशीन	1 नग	05-मई-25
156	CASNUB के लिए सेंटर पिवट टॉप	854 संख्या	06-मई-25
157	ब्रेक कैलिपर यूनिट का सेट	12 सेट	08-मई-25
158	रोलर बेयरिंग क्लीनिंग प्लांट	2 संख्या	09-मई-25
159	एंडोलेज़र के साथ संयुक्त पोस्टीरियर विट्रेक्टोमी	2 संख्या	23-मई-25

शुद्धिपत्र

कृपया निविदा सूचना संख्या एस-11-2025 दिनांकः-13.02.2025 क्रमांक 90 के लिए नियत तिथि को '01.04.2025' पढ़ें।

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in देखें। 1224

Like us on: facebook.com/WesternRly. Follow us on: XX.com/WesternRly

पालकी नृत्य प्रतियोगिता में विधायक डॉ जितेंद्र आव्हाड बढ़ाया उत्साह

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , संघर्ष शिमगोत्सव और पालखी नृत्य प्रतियोगिता में स्थानीय विधायक डॉ जितेंद्र आव्हाड ने अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए पालकी उठाया। उन्होंने ने प्रतियोगिता में पहुंचकर आयोजकों का उत्साह बढ़ाया। वे हमेशा की तरह अपने क्षेत्र आयोजन को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कालकाई पालकी नृत्य टीम कुशीवाडे रत्नागिरी ने प्रतियोगिता जीता जबकि, सिद्धेश्वर कृपा उत्कर्ष मंडल निवे तालुका संगमेश्वर और साईं सेवा महिला पालकी नृत्य टीम, अंबेशेट ने क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। रविवार को कोंकण का यह शिमगोत्सव खारलैंड-कलवा के भूमिपुत्र मैदान में पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर रत्नागिरी में उक्षी की जागृत ग्राम देवी वाघजई माता की पालकी को अपने साथ लाया गया। इस संबंध में आयोजित पालकी नृत्य प्रतियोगिता में रत्नागिरी जिले की सभी संघर्ष टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शरद चंद्र पवार डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने दौरा किया और पालकी नृत्य के कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराया।

तालाबों का संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी की जिम्मेदारी : नूतन बांदेकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे नगर निगम क्षेत्र में तालाब हमारे गौरव का विषय हैं और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उन्हें संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। तो आइए इन तालाबों को करीब से देखें और इन्हें संरक्षित करें, यह कहना है 'मुक्कम पोस्ट लेक' पुस्तक की लेखिका और ठाणे म्युनिसिपल स्कूल की प्रभारी प्रिंसिपल नूतन बांदेकर का।विश्व वन दिवस (21 मार्च), विश्व जल दिवस (22 मार्च) और विश्व जलवायु दिवस (23 मार्च) के निमित्त ठाणे मनपा ने सोमवार को विचार-मंथन व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में तालाबों के ठाणे' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।यह व्याख्यान श्रृंखला का 15वाँ पुष्प है जिसकानरेन्द्र बल्लाल सभागार में समापन हुआ। नूतन बांदेकर ने तालाबों के प्रकार, स्वस्थ एवं रोगग्रस्त तालाबों के लक्षण, जैव श्रृंखला में तालाबों के महत्व के बारे में बताया। इतिहास में शिलाहार काल के बाद से ठाणे और उसके आसपास 60 से अधिक तालाब दर्ज हैं।बांदेकर ने कहा, उनमें से 42 तालाब ही वर्तमान में मौजूद हैं।इनमें से प्रत्येक तालाब और आसपास के क्षेत्र का दौरा करके हमें तालाबों के बारे में जानकारी मिली, इसके इतिहास का अध्ययन किया। इसमें तालाबों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। हम सभी को इन तालाबों का ख्याल रखना चाहिए और तालाबों की स्थिति से अवगत रहें। बांदेकर ने यह भी बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि तालाब में कचरा, मछली और पक्षियों के लिए भोजन नहीं डाला जाए।बांदेकर ने इस व्याख्यान में मसुंदा तालाब से लेकर वागले एस्टेट के सीपी टैंक तक की सभी तालाबों का सचित्र प्रस्तुतीकरण दिया। बांदेकर ने ठाणे मनपा और पर्यावरण सतर्कता मंच के समन्वय से चल रहे 'माई लेक' अभियान के बारे में भी जानकारी दी। इस अभियान में झीलों का भ्रमण, झीलों के बारे में जागरूकता जैसी गतिविधियाँ की जाती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यार्थी वर्ग से लेकर सभी ठाणेकर इसमें बड़े उत्साह से भाग ले रहे हैं। व्याख्यान से पहले नूतन बांदेकर को उपायुक्त (सूचना एवं जनसंपर्क) उमेश बिरारी, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने शॉल, स्मृति चिन्ह और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस व्याख्यान का संचालन राजेंद्र पाटणकर ने किया। मेरी वसुन्धरा अभियान के तहत ई-प्रतिज्ञा इस व्याख्यान के अवसर पर मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने राज्य सरकार के अभियान 'माझी वसुन्धरा' के बारे में जानकारी दी। उस अभियान में जन जागरूकता के लिए नागरिक भागीदारी पर जोर दिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों को ई-प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। जिसके अनुसार उपस्थित लोगों ने प्रधान के निदेर्शानुसार अपने मोबाइल पर ई-शपथ ली।

फास्ट ट्रैक

गांवदेवी मार्केट में कपड़ा बैग वेंडिंग मशीन शुरू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , प्लास्टिक बैग के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने और कपड़े के बैग का विकल्प प्रदान करने के लिए ठाणे मनपा और रोटरी क्लब ऑफ ठाणे नॉर्थ द्वारा नौपाड़ा के गांवदेवी मार्केट में कपड़े के बैग के लिए दो वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं। मशीन में 10 रुपये डालने के बाद ग्राहकों को इसमें से एक कपड़े का थैला मिलेगा।गांवदेवी मार्केट में कपड़े की थैलियों की मशीनों का उद्घाटन सोमवार सुबह ठाणे मनपा की मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान और जिला 3124 के प्रांतीय गवर्नर दिनेश मेहता ने किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ ठाणे नॉर्थ की अध्यक्ष मेधा जोशी, सचिव अमोल नाले, जिला सचिव संतोष भिड़े और अन्य उपस्थित थे। मनीषा प्रधान ने कहा कि रोटरी क्लब के सहयोग से कुछ और बाजारों में इस तरह की क्लॉथ बैग वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गए दो युवक

दुकान पर सामान खरीदने घर से निकली थी, तिलहर में मुकदमा दर्ज

शाहजहांपुर, तिलहर कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। 16 वर्ष 9 माह की किशोरी को दो युवक बहला-फुसलाकर ले गए हैं। पीड़िता की मां ने स्थानीय निवासी विवेक और बरेली के रहने वाले रामू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मां के अनुसार, उनकी बेटी घरेलू सामान खरीदने के लिए घर से निकली थी। जब वह लंबे समय तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने खोजबीन की। जांच में पता चला कि आरोपी युवक किशोरी को अपने साथ ले गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार के मुताबिक, मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम नाबालिग की तलाश में जुटी हुई है।

गोंड जनजाति का कलेक्ट्रेट में तीर-धनुष के साथ प्रदर्शन

जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग, 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

मिर्जापुर, आदिवासी विकास समिति ने जिला मुख्यालय पर अनूठा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तीर-धनुष लेकर अपनी मांगों को रखा। समिति का कहना है कि सरकार के स्पष्ट आदेश के बावजूद जिले में गोंड जनजाति को जाति प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। अधिकारी शासनादेशों के विपरीत काम कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से कई महत्वपूर्ण मांगें की हैं। उनकी मांग है कि अधिकारियों और आदिवासी विकास समिति के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। साक्ष्यों के आधार पर जनजाति प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। समिति ने मांग की है कि न्यायालय के आदेश पर बने प्रमाण पत्रों की लेखपाल से दोबारा जांच न कराई जाए। साथ ही लोकवाणी और सहज जन सेवा केंद्र से बने पुराने प्रमाण पत्रों को एमआईसी और एनआईसी की वेबसाइट से जोड़ा जाए। प्रदर्शन में अध्यक्ष अमर नाथ गोंड के नेतृत्व में चमन लाल गोंड, नगीना, शनि कुमार, राम प्यारे समेत कई लोग शामिल हुए।

शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को भारत रत्न दिलाने के हस्ताक्षर अभियान को मिला समर्थन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने दावा किया है कि वह शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भारत रत्न देने के लिए संसद भवन में आवाज उठाएंगे। म्हस्के भगत सिंह को भारत रत्न देने के लिए जय हिंद अभियान के तहत संग्राम फाउंडेशन द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान में बोल रहे थे। इस दौरान कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक निरंजन डावखरे ने भी कहा कि वह इस मांग को विधान परिषद में उठाएंगे। 23 मार्च के दिन शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फाँसी दी गई। उनके शहीदी दिवस पर जय हिंद अभियान के तहत संग्राम फाउंडेशन की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाकर उन्हें भारत रत्न सम्मान दिलाने की मांग की गई है। प्रतिवर्ष 23 मार्च के दिन को पूरे देश में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, सरकारी स्तर पर उनके बलिदान को मान्यता नहीं मिलने के कारण संग्राम फाउंडेशन पिछले आठ वर्षों से जय हिंद अभियान के तहत उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चला रहा है। रविवार को ठाणे शहर की तलावपाली के अहिल्याबाई होलकर घाट के पास हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान में हिस्सा लेते हुए सांसद नरेश म्हस्के और विधायक निरंजन डावखरे ने भी हस्ताक्षर कर इस मांग के प्रति अपना समर्थन जताया और स्पष्ट किया कि सरकार इस पर अमल करेगी। मार्गदर्शक के रूप में राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे प्रेरणस्त्रोत और दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना के मार्गदर्शन में संग्राम फाउंडेशन के अध्यक्ष और जयहिंद अभियान के निदेशक गोपाल सिंह, सचिव दीपक कुमार त्रिपाठी ने अपने खून से हस्ताक्षर कर अभियान की शुरूआत की। इसके आयोजक पृथ्वीराज चौहान, इस हस्ताक्षर अभियान में ठाणे जिला प्रमुख रवीन्द्र प्रजापति सहित सैकड़ों ठाणे के नागरिकों ने भाग लेकर इस मांग के प्रति अपना समर्थन जताया।

महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी 2024-25 पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न।

- मुंबई के रंग शारदा सभागृह में सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता में आयोजन।
- सिंधी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष महेश सुखरमानी के मार्गदर्शन में संपन्न।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024-2025 का पुरस्कार वितरण समारोह गुरुवार 20 मार्च को मुंबई के रंग शारदा सभागृह में भव्य और रंगारंग कार्यक्रम के रूप में संपन्न हुआ।उक्त पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन सिंधी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष महेश सुखरामानी के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह में कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्री और मुंबई उपनगर के पालक मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। उन्हीं के कर कमलों से 2024-2025 के सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कारों का वितरण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम सिंधियत की खुशबू का मंचन किया गया जिसने उपस्थित सभी लोगों को आनंदित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्याध्यक्ष महेश सुखरामानी ने सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार से सिंधी साहित्य अकादमी की निधि और पुस्तक प्रकाशन की धनराशि को दुगुना करने की मांग रखी,जिसे मंत्री आशीष शेलार ने सहर्ष स्वीकार करते हुए इसे शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया।

अखिल भारतीय जीवन गौरव सम्मान डॉ.जगदीश लाछानी जो प्रदान किया गया।वा0य पुरस्कार के अंतर्गत डॉ.भारत खुशलानी,कोमल सुखवानी,प्रिया वछानी, हासानंद सतपाल को दिया गया। इसके अंतर्गत प्रत्येक को 50 हजार रुपए का नकद पुरुस्कार दिया गया। पत्रकारिता का पुरस्कार विनोद रोहाणी को दिया गया इसके अंतर्गत 25 हजार रुपए का नकद पुरुस्कार दिया गया।अनुवाद पुरस्कार जूली तेजवानी को दिया गया। 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

समारोह में अखिल भारतीय जीवन गौरव सम्मान, सिंधी साहित्य पुस्तक पुरस्कार, पत्रकारिता पुरस्कार, काव्य पुरस्कार और साहित्यिक पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में दादा लदाराम नागवानी, डॉ.राम जव्हारानी, विंकय राघवानी, मुरली अदनानी, गुरुमुख जगवानी, गायक काजल चाँदीरामनी, अजित मनिहाल, लाल पंजाबी, राजू जगयसी, काजल रामचंदानी, नीतू कारिया और माला हरवानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

युवा सेना उपशहर अधिकारी यश जाधव ने शुक्रवार को मुस्लिम भाइयों के लिए रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया

समाजसेवा मेरे जीवन का लक्ष्य- यश जाधव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. मुस्लिम समाज का पवित्र महीना रमजान अकीदत और इबादत के साथ चल रहा है। इसमें मुस्लिम समाज के लोग रोजा रखते हैं और अल्लाह की इबादत करते हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के द्वारा मुस्लिम भाइयों के लिए रोजा इफ्तार पार्टियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रेणी में युवा सेना के उपशहर अधिकारी और वाई.जे.बॉस ग्रुप के प्रमुख यश लाजवंती अजय जाधव की तरफ से अंबरनाथ पश्चिम स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय में शनिवार 22 मार्च को भव्य रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन उनके स्वर्गीय पिता अजय जाधव भी प्रतिवर्ष करते थे। इफ्तार पार्टी में सैंकड़ों की संख्या में रोजेदार मुस्लिम समाज के लोगों ने अपना रोजा खोला। इफ्तार पार्टी में पूर्व नगरसेवक नासिर कुंजाली, इफ्तिखार खान, फारूख शेख, रौशनी शेख, देवदत्त सर्वदे, आजिंक्य पाटिल, हेमंत जाधव, महेश चलवादी आदि लोगों की उपस्थिति रही। युवा सेना उपशहर अधिकारी सामाजसेवी यश जाधव ने रोजा इफ्तार पार्टी में आए हुए सभी मुस्लिम भाइयों को रमजान के रोजे और आने वाली ईद की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा शिवसेना के दिवंगत जननेता अजय जाधव की परम्परा और प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाते हुए सभी धर्मों को साथ लेकर चलने और विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यों को समय समय पर आयोजित किया जाता रहा है। हमारा लक्ष्य जनता की सेवा करना है, भविष्य में कोई पद रहे या न रहे लेकिन जनता के हित में कार्य करते रहेंगे।

उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त कराने के लिए मुंडन कराकर नदी के जल में खड़े रहकर अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ

22 मार्च विश्व जल दिवस के दिन उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अनोखा आंदोलन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

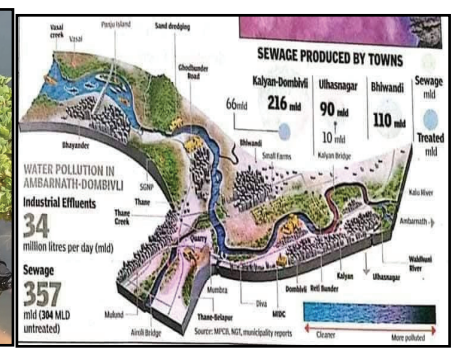

उल्हासनगर. विश्व जल दिवस 22 मार्च के अवसर पर ठाणे जिले की महत्वपूर्ण उल्हास नदी के जल संरक्षण,जल प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए उल्हास नदी को तमाम तरीके के प्रदूषण और अनधिकृत अतिक्रमणों से मुक्त करने के लिए विगत आठ वर्षों से तमाम संगठनों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 22 मार्च प्रातः 10 बजे से मि कल्याणकर सामाजिक संस्था, कंडोमपा के पूर्व नगरसेवक नितिन निकम,उमेश बोरगांवकर, कैलाश शिंदे सहित उल्हास वालधुनी नदी संवर्धन समिति आदि ने उल्हास नदी में ही टेंट डालकर उल्हास नदी के सरंक्षण और प्रदूषण मुक्ति के लिए अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ कर दिया। आंदोलनकारियों ने शनिवार सुबह 10 बजे अपना मुंडन कराकर आंदोलन प्रारंभ कर दिया। आंदोलनकारियों का कहना है कि विगत आठ वर्षों से उल्हास नदी की शुद्धि और मुक्ति के लिए आंदोलन किया जा रहा है। इस नदी के शुद्धिकरण और प्रदूषण मुक्ति से ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ और अन्य शहरों के लोगों की पीने की पानी की समस्या का समाधान होगा। हमारी मांग है कि उल्हास नदी में मिलने वाले सभी प्रदूषित सीवेज के नालों को तत्काल बंद किया जाए।उल्हास नदी को जलकुंभी से मुक्त किया जाए। मोहोने बनधारे के पास एक नया बनधारे का निर्माण किया जाए। नदी से कीचड़ और केमिकल युक्त मल बाहर निकला जाए। उल्हास नदी के अतिरिक्त जल को मराठवाड़ा को देने की योजना है तो उसे रद्द किया जाए।

1: जल जीवन का आधार है। विश्व जल दिवस प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है।

2: विश्व जल दिवस मनाने का उद्देश्य जल संरक्षण और जल संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है।

3: विश्व जल दिवस 2025 का विषय ग्लेशियर संरक्षण है।

4:विश्व जल दिवस 2025 की थीम अमूल्य जल अमूल्य जीवन है।

5: भारत में जल संकट के कारणों में मुख्य हैं अत्यंत जल दोहन,अव्यवस्थित जल प्रबंधन,जलवायु परिवर्तन,बढ़ती हुई जनसंख्या,जल के स्त्रोतों में बढ़ता हुआ प्रदूषण आदि हैं।

6: संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1993 से विश्व जल दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ की।

7:विश्व में उपलब्ध जल संसाधन का 0.3 प्रतिशत ही मानवों के उपयोग के लिए उपलब्ध है जो नदियों,तालाबों और भूमिगत जल के रूप में उपलब्ध है।

बदलापुर-अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर तहसीलदार अमित पुरी से भेंट की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. बदलापुर-अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को तहसीलदार अमित पुरी से मिलकर अपने कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान को लेकर अपनी बात रखी। सोमवार को बदलापुर अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जाधव और महासचिव ज्ञानधर मिश्रा (जीडी मिश्रा) के नेतृत्व में एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अंबरनाथ के तहसीलदार अमित पुरी से भेंट की और उनके समक्ष अपनी बात रखी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस अवसर पर तहसीलदार महोदय को सम्मानस्वरूप शॉल उढ़ाकर पुष्पगुच्छ भी प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने भवन निर्माण क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं भूस्वामित्व, भवन निर्माण संबंधी अनुमति,एनए,रॉयल्टी जैसे मुद्दों पर चर्चा की और उसकी अनुमति प्राप्त करने में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान को लेकर अपनी बात रखी। एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल मे अध्यक्ष संजय जाधव, सचिव जीडी मिश्रा, उपाध्यक्ष नवीन बंसल तथा नवीन शाह, कोषाध्यक्ष अमित मोरयानी, प्रमोद पाटिल, रूपेश दलाल के अलावा संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। तहसीलदार अमित पुरी ने स्थानीय पत्रकारों को बताया कि बिल्डर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनसे राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की और हमने उन्हें आश्वासन दिया है कि संबंधित विषय के ऊपर से नियमानुसार कार्यवाही करके सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे। आगे के स्तर के मुद्दों को अपने संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर उनपर भी सकारात्मकता के साथ कार्य करने का प्रयास किया जाएगा।

बदलापुर में 05 अप्रैल को सम्राट अशोक जयंती समारोह और बौद्ध स्तूप निर्माण की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर.स्वर्णिम भारतीय इतिहास के चक्रवर्ती राजा देवनांम पियदस्सी सम्राट अशोक की 2329 वीं जयंती समारोह के उपलक्ष में बदलापुर के इतिहास में पहली बार उत्तर कोंकण डिवीजन कमेटी और भारतीय बौद्ध महासभा के संयुक्त सौजन्य से शनिवार 5 अप्रैल 2025 को बदलापुर पश्चिम के बेलवली स्थित समर्थ गार्डन जाधव कालोनी में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त जयंती समारोह कार्यक्रम में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में डॉ.राजरतन अशोक राव अंबेडकर उपस्थित रहेंगे। समारोह में वक्ता के रूप में पाली भाषा के विद्वत जानकार प्रवीण रामचंद पंडित भी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ठाणे जिले में बौद्ध स्तूपों के इतिहास को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए उत्तर कोंकण प्रभाग समिति द्वारा बौद्ध स्तूप,बौद्ध स्थापत्य और संरचनाओं को बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।उक्त कार्यक्रम के आयोजन में पवन भिसे द्वारा सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। इस प्रकार के आयोजन द्वारा अखंड भारत के पहले राष्ट्रीय सम्राट चक्रवर्ती सम्राट अशोक के प्रति सच्ची आदरांजलि है।सम्राट अशोक के चिन्ह को ही भारत सरकार ने अपना राष्ट्रीय प्रतीक बनाया है। शिक्षा,साहित्य,स्थापत्य,संस्कृति और विकास के नजरिए से सम्राट अशोक का काल भारतीय इतिहास का स्वर्णिम काल माना जाता है और भारत सोने की चिड़िया कहलाता था।

भाजपा नेता और उनके पति पर जमीन हड़पने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला ने भाजपा की महिला नेता और उनके पति पर करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। कोलकाता निवासी मीरा देवी ने बताया कि जलालाबाद में उनके स्वर्गीय पति राम निवास गुप्ता के नाम गाटा संख्या 62 की लगभग सात बीघा जमीन है। इस जमीन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का स्टे ऑर्डर है। स्टे ऑर्डर अंतिम निर्णय तक प्रभावी है। मीरा देवी का आरोप है कि भाजपा की महिला नेता और उनके पति ने जया डेवलपर कंपनी के नाम से उनकी जमीन को फर्जी तरीके से खरीद लिया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी पक्ष जबरन जमीन की बाउंड्री और गेट लगवा रहा है। फर्जी बैनामे की जानकारी मिलते ही उन्होंने जलालाबाद तहसील में मुकदमा दर्ज कराया। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

अयूक्रेन जंग रोकने को लेकर अमेरिका-रूस की बातचीत जारी

इससे पहले यूक्रेनी पावर प्लांट्स की सुरक्षा को लेकर यूएस ने यूक्रेन से चर्चा की

एजेंसी

रियाद, यूक्रेन जंग रोकने को लेकर सऊदी अरब के रियाद में अमेरिका और रूस की बैठक जारी है। इससे पहले अमेरिकी अधिकारियों ने यूक्रेन के प्रतिनिधियों से बातचीत की थी। दोनों अधिकारियों ने पावर प्लांट्स की सुरक्षा से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की। अमेरिका यूक्रेन को पहले ही प्रस्ताव दे चुका है कि वह पावर प्लांट्स (ऊर्जा ठिकानों) की सुरक्षा के लिए उन्हें अमेरिका को सौंप दे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने टीवी पर दिए एक बयान में बताया कि बातचीत काफी उपयोगी रही। यूक्रेन के रक्षामंत्री रुसतेम उमेरोव के मुताबिक इस बातचीत का मकसद जल्द शांति और सुरक्षा को मजबूत करना है। रविवार को इस सब पर तकनीकी बातचीत हुई। वहीं जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों, खासतौर से अमेरिका से पुतिन को हमले रोकने के लिए आदेश देने के लिए कहा। यूक्रेन जंग के मुद्दे पर आज अमेरिका और रूस के अधिकारियों के बीच बैठक होगी। इस बैठक में ब्लैक

सी (काला सागर) में जहाजों की सुरक्षा के मुद्दे पर बात होगी। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बातचीत की थी। इस दौरान ट्रम्प ने दोनों नेताओं से एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के लिए कहा था। हालांकि, इस बातचीत में स्पष्टता की कमी की वजह से यह समझौता लागू नहीं हो पाया। इस दौरान दोनों देशों ने एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले भी किए। पिछले 2 महीनों से सीजफायर को लेकर जारी बातचीत के दौरान रूस-यूक्रेन ने पिछले हफ्ते एक-दूसरे की कैद में मौजूद सैनिकों की अदला-बदली की। दोनों के बीच 175 कैदियों की अदला-बदली हुई। इसके अलावा रूस ने गंभीर रूप से घायल 22 यूक्रेनी सैनिकों को भी रिहा किया। 9मार्च:सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। अमेरिका ने 30 दिन के सीजफायर का प्रस्ताव रखा। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। पुतिन ने प्रस्ताव को खारिज नहीं किया, लेकिन आगे चर्चा की मांग की। 10मार्च:पुतिन ने आशंका जताई कि यूक्रेन सीजफायर का इस्तेमाल जंग में अपने सैन्य सशक्तिकरण के लिए कर सकता है। 11मार्च:रूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने सीजफायर के लिए 4 शर्तें रखीं।

इसमें मांग की गई कि यूक्रेन नाटो में शामिल न हो और यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे को मान्यता मले। पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों ने सुझाव दिया कि पुतिन की शर्तें सीजफायर को टालने का रणनीति हो सकती है। 12 मार्च: यूक्रेन ने रूस की शर्तों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे उसकी संप्रुभता को खतरा होगा। 13मार्च:पुतिन ने सीजफायर के प्रस्ताव के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का धन्यवाद दिया।

पुतिन ने सीजफायर के प्रस्ताव पर सहमति भी जताई, लेकिन इसके साथ शर्तें भी रख दी। पुतिन ने कहा कि सीजफायर से लॉन्गटर्म यानी दीर्घकालिक शांति और जंग की वजह खत्म होनी चाहिए। इस दौरान अमेरिकी के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी रूस में मौजूद थे। उन्होंने रूस के अधिकारियों के साथ सीजफायर पर बात की। 14 मार्च: ट्रम्प ने बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन जंग रोकने को लेकर अच्छी बातचीत हुई।

बलूचिस्तान की इस लड़की ने हिला दिया पूरा पाकिस्तान

शहबाज शरीफ ने मारने के लिए लगा दी पूरी सेना

एजेंसी

एक लड़की ने पूरे पाकिस्तान को पागल कर दिया है। पाकिस्तान ने इस लड़की को मिटाने के लिए पूरी सेना लगा दी है। मगर फिर भी ये लड़की पाकिस्तान के काबू में नहीं आ रही। इस लड़की की ताकत का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इसकी एक आवाज पर हजारों बलूच लोग सड़कों पर उतर आते हैं। इसके एक नारे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को गालियां पड़नी शुरू हो जाती हैं। मगर इस बार पाकिस्तान की सेना ने बलूचिस्तान आंदोलन का चेहरा बन चुकी महरंग बलूच को

गिरफ्तार कर लिया है। पाकिस्तान की सेना ने महरंग बलूच को गायब करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। महरंग बलूच ने कुछ दिन पहले पूरी दुनिया में एजेंडा चलाने वाले इकोसिस्टम से पूछा था कि फिलिस्तानी के लिए जब इजरायल का विरोध करते हो तो बलूचिस्तान के लिए पाकिस्तान का विरोध क्यों नहीं करते? महरंग बलूच इस तरह

> महरंग बलूच इस तरह के मुश्किल सवाल न पूछे इसके लिए पाकिस्तान ने उन्हें गायब ही कर दिया। पाकिस्तान की सेना ने महरंग बलूच को वैसे ही गायब किया है जैसे उनके पिता और भाई को गायब किया गया था। उनके पिता और भाई अभी तक वापस नहीं लौट पाए हैं।

के मुश्किल सवाल न पूछे इसके लिए पाकिस्तान ने उन्हें गायब ही कर दिया। पाकिस्तान की सेना ने महरंग बलूच को वैसे ही गायब किया है जैसे उनके पिता और भाई को गायब किया गया था। उनके पिता और भाई अभी तक वापस नहीं लौट पाए हैं। ऐसे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या महरंग बलूच वापस आ पाएंगी? क्या पाकिस्तान महरंग बलूच को मारने वाला है। आपको बता दें कि महरंग बलूच पाकिस्तान के लिए बड़ा खतरा इसलिए भी बन गई हैं क्योंकि वो आजादी की जंग बलूचिस्तान के अलावा अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले गई हैं। महरंग बलूच अपने कई साथियों और एक्टिविस्ट के साथ मिलकर पूरी दुनिया में पाकिस्तान के कपड़े उतार रही थी। जिन लोगों और देशों ने बलूचिस्तान का नाम तक नहीं सुना था वो भी महरंग बलूच के समर्थन में उतर आए हैं। यही महरंग बलूच की सबसे बड़ी ताकत थी। महरंग बलूच कई बार अंग्रेजी में पाकिस्तान से आजादी छीनने का ऐलान कर चुकी हैं।

बांग्लादेश में 7 महीने में कपड़े की 140 फैक्ट्रियां बंद

1 लाख बेरोजगार, हसीना के तख्तापलट के बाद देश छोड़कर भाग रहे कंपनियों के मालिक

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश का गारमेंट सेक्टर इस समय भयंकर संकट से गुजर रहा है। पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद सात महीनों में 140 से ज्यादा गारमेंट फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। इसके चलते एक लाख से ज्यादा मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सिर्फ गाजीपुर, सावर, नारायणगंज और नसिंर्दी में 50 से ज्यादा फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जबकि करीब 40 फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हैं। दूसरी ओर कई गारमेंट कंपनियों में मजदूरों के 2 महीने से 14 महीने तक के वेतन बकाया हैं, जिससे वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ईद के करीब आते ही स्थिति और भयावह होती जा रही है। ईद के बाद और अधिक फैक्ट्रियां बंद होने की आशंका है। इसके बावजूद, सरकार और गारमेंट मालिकों द्वारा कदम नहीं उठाया जा रहा है। बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार, 20% ऑर्डर देश से शिफ्ट हो चुके हैं। अब यह ऑर्डर भारत, वियतनाम, श्रीलंका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान को मिल रहे हैं। गारमेंट फैक्ट्रियों के अचानक बंद होने के पीछे मुख्य रूप से दो बड़ें वजह बताई जा रहे हैं, आर्थिक मंदी व राजनीतिक अस्थिरता। हालांकि, इस संकट में एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बंद हो रही ज्यादातर

फैक्ट्रियां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े नेताओं की है। इनमें हसीना के विदेशी निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान की बेक्सिमको कंपनी भी शामिल है। बीते सात माह में बेक्सिमको की 15 फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो गई हैं। इसके अलावा, आवामी लीग के मंत्री गाजी दस्तगीर की भी कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। लेबर नेता मोहम्मद मिंटू कहते हैं, बेक्सिमको गारमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी थी। यहां मजदूरों को वेतन व बोनस समय पर मिलता था। इसके बंद होने से समस्या हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कई बड़े गारमेंट व्यापारी देश छोड़कर जा चुके हैं, जिससे फैक्ट्रियां बंद होने की समस्या और गंभीर हो गई है। गारमेंट फैक्ट्रियों के बंद होने पर सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि बाजार में ऑर्डर कम होने के कारण उत्पादन ठप हो गया है। लेकिन गारमेंट वर्कर्स ट्रेड यूनियन सेंटर के कानूनी मामलों के सचिव खैरुल ममून मिंटू का दावा है कि यह सरासर झूठ है। ऑर्डर अब भी मिल रहे हैं, बल्कि जो फैक्ट्रियां बची हैं, उन पर अतिरिक्त दबाव डाला जा रहा है। असल में, यह संकट राजनीतिक कारणों से गहराया है। इस पर काबू नहीं पाया गया तो देश में आर्थिक मंदी हो सकता है। जानकारों का कहना है कि यूनुस सरकार सेक्टर को बेहतर करने को कोई कदम नहीं उठा रही है। गारमेंट सेक्टर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह उद्योग हर साल देश की 84% विदेशी मुद्रा अर्जित करता है। साथ ही, यह सीधे 50 लाख और अप्रत्यक्ष रूप से 1.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। खास बात यह है कि इस उद्योग में महिलाओं की बड़ी भागीदारी है। लेकिन मौजूदा संकट ने इस पूरी व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। बांग्लादेश में नई छात्र-नेतृत्व वाली पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) और सेना के बीच विवाद गहराता जा रहा है।

अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है:गवर्नर

एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई

फायदा नहीं हुआ।

यहां गवर्नर हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने अफगान प्रशासन को बार-बार सूचित किया है कि अमेरिका द्वारा छोड़े गए हथियार अब उग्रवादियों के हाथों में हैं। कुंडी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दोनों देशों के अधिकारियों ने आतंकवाद, पारगमन व्यापार, शरणार्थियों और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों से निपटने के तरीकों पर मतभेदों के कारण तनावपूर्ण हुए

> कुंडी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने अफगानिस्तान का दौरा किया था, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

संबंधों को सुधारने के लिए काबुल में वार्ता की। कुंडी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने अफगानिस्तान का दौरा किया था, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'जेपी नड्डा और रिजिजू ने सदन में बोला झूठ, हमारे किसी भी मिनिस्टर ने संविधान बदलने की बात नहीं की', खड़गे का दावा

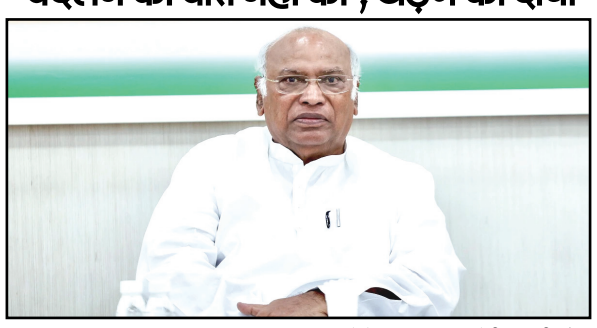

एजेंसी

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के संविधान पर कथित बयान पर भाजपा के विरोध पर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा धर्म के आधार पर कानून बना रही है। हमने कभी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज बिना किसी कारण के इस मुद्दे को उठाकर सरकार अपने भ्रष्टाचार के मामलों को छिपाना चाहती है। हमारी कांग्रेस पार्टी और कर्नाटक की दूसरी पार्टियों ने मिलकर 1994 में शुरू हुए आरक्षण को स्वीकार किया था। तब से लेकर आज तक वो आरक्षण जारी है। लेकिन उनकी परेशानी क्या है? उनकी परेशानी ये है कि हमारी 5 गारंटी कर्नाटक में लोगों तक पहुंच रही है और इसलिए उन्हें बहुत दुख है कि कांग्रेस की लोकप्रियता बढ़ रही है।खड़गे ने दावा किया कि जेपी नड्डा जी और किरेन रिजिजू जी ने सदन में झूठ बोला, इसलिए हमारी पार्टी उनके ऊपर एक्शन लेने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी धर्म के आधार पर आरक्षण दे रही है, जो कि सरासर झूठ है। इखढ ऐसे मुद्दे उठाकर अपनी सरकार में जारी भ्रष्टाचार को छिपाना चाहती है। हाल ही में ज्युडिशरी से जुड़ा एक मामला सामने आया है और इखढ नहीं चाहती कि विपक्ष इन मुद्दों पर बात करे। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को कभी अलग से आरक्षण नहीं दिया गया। नरेंद्र मोदी ने अपने राज्य में मुस्लिमों को डइउ की सूची में डाला था और अटल जी की सरकार से निवेदन किया था कि राज्य की लिस्ट को केंद्र की लिस्ट में डालकर लागू किया जाए।उन्होंने कहा कि हमने 5 कैटेगरी में डालकर सभी को न्याय दिलाने की कोशिश की है। इखढ के लोग 30 साल पुराने कानून को चैलेंज कर रहे हैं। ये दिखाता है कि इखढ बौखलाई हुई है। देश में कांग्रेस ही संविधान लेकर आई है, कांग्रेस हर कीमत पर इसकी रक्षा करेगी। इसकी रक्षा के लिए लड़ती रहेगी। अगर कोई संविधान के खिलाफ कुछ कहता है तो कांग्रेस चुप बैठने वाली नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे किसी भी नेता या मिनिस्टर ने संविधान को बदलने की बात नहीं की है। बाबासाहेब डॉ आंबेडकर जी के बनाएं हुए संविधान की बात केवल इखढ-फरर के नेताओं ने बार-बार की है।

> खड़गे ने दावा किया कि जेपी नड्डा जी और किरेन रिजिजू जी ने सदन में झूठ बोला, इसलिए हमारी पार्टी उनके ऊपर एक्शन लेने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी धर्म के आधार पर आरक्षण दे रही है, जो कि सरासर झूठ है।

नक्सल प्रभावित लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम चरण में : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष समारोह में पहुंची.

छत्तीसगढ़ विधानसभा में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई. सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने भाषण देते हुए राष्ट्रपति का स्वागत किया. विधानसभा अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में मौजूद विधायकों के बारे में जानकारी दी. इसके साथ ही विधानसभा में पारित की गई योजनाओं की जानकारी दी.

एजेंसी

रायपुरः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजय जयंती वर्ष समारोह में शामिल हुई. रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद राज्यपाल रमेन डेका, सीएम विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, रमेश बैस, सरोज पांडे, गौरीशंकर अग्रवाल, शिवरतन शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और

अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए रवाना हुई. रमन सिंह ने बताया कि अब तक कुछ 565 विधेयक पारित किए गए. सिंह ने ये भी बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में पक्ष और विपक्ष मिलकर किसी भी विधेयक को एक मत से पारित करते हैं. पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद हो सकता है लेकिन मनभेद नहीं हैं. रमन सिंह ने बताया कि हर साल पक्ष और विपक्ष के उतकृष्ट विधायक को सर्वेश्रेष्ठ विधायक का चुनाव होता है. जल्द ही छत्तीसगढ़ विधानसभा नया रायपुर में लगेगी.छत्तीसगढ़ विधानसभा में सदन के नेता और सीएम विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का शॉल और श्रीफल के साथ स्वागत किया. इस अवसर पर सदस्य संदर्भ किताब का विमोचन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के हाथों हुआ. नेता प्रतिपक्ष ने राष्ट्रपति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि पक्ष और विपक्ष मिलकर छत्तीसगढ़ की उन्नति के लिए काम कर रहे हैं.सीएम विष्णुदेव साय ने विधानसभा में संबोधित करते हुए कहा ₹छत्तीसगढ़ के लिए ये अवसर ऐतिहासिक है कि विधानसभा के रजन जयंती समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिरकत की. इसके लिए छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की तरफ से राष्ट्रपति का स्वागत है. साल 2000 में छत्तीसगढ़ का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था. यह वर्ष अटल जी की जन्म शताब्दी का वर्ष है. सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक अच्छे वातावरण में सदन का काम आगे बढ़ रहा है. विधानसभा सदस्यों के लिए आईआईएम रायपुर में पब्लिक लीडरशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया था.

सिर्फ एक विशेष धर्म को बनाया जा रहा निशाना': वक्फ संशोधन विधेयक पर उमर अब्दुल्ला की पीड़ा

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के खिलाफ देशव्यापी विरोध की तैयारी की जा रही है. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने प्रदर्शन का समर्थन किया.

एजेंसी

जम्मूः जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि देश भर में वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन समझ में आता है. उन्होंने आरोप लगाया कि केवल एक विशेष धर्म को निशाना बनाया जा रहा है. विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, ₹धर्मार्थ गतिविधियां सभी धर्मों से जुड़ी हुई हैं और मुसलमान इन्हें वक्फ के माध्यम से अंजाम देते हैं. जब किसी विशेष धर्म को निशाना बनाया जाता है, तो तनाव होगा.देशव्यापी आंदोलन की तैयारीः ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को वक्फ (संशोधन)

विधेयक 2024 के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है. पहले चरण के तहत 26 और 29 मार्च को पटना और विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने धरना देने की तैयारी है.वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े तथ्यः बता दें कि पिछले वर्ष 8 अगस्त को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा लोकसभा में पेश किये जाने के बाद इस विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा गया था. संयुक्त समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर 655 पृष्ठों की रिपोर्ट 30 जनवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी.

बंगाल सरकार ने रामनवमी के लिए कोलकाता में सुरक्षा बढ़ाई

जुलूस मार्गों पर सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी

इस साल रामनवमी के जुलूसों से पहले कोलकाता का प्रशासन अतिरिक्त सावधानी बरत रहा है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने पहले ही जुलूस के मार्गों पर स्थानीय पुलिस स्टेशनों को मौजूदा सीसीटीवी सेटअप का सर्वेक्षण करने के लिए सूचित कर दिया है।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल में रामनवमी जुलूसों को लेकर पिछले दिनों अलग-अलग इलाकों में हुई झड़पों के बाद कोलकाता पुलिस ने इस साल 6 अप्रैल को इन मार्गों को पूरी तरह सीसीटीवी कवरेज के दायरे में लाने का फैसला किया है। इस साल रामनवमी के जुलूसों से पहले कोलकाता का प्रशासन अतिरिक्त सावधानी बरत रहा है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने पहले ही जुलूस के मार्गों पर स्थानीय पुलिस स्टेशनों को मौजूदा सीसीटीवी सेटअप का सर्वेक्षण करने के लिए सूचित कर दिया है।शहर के पुलिस

मुख्यालय से संबंधित पुलिस थानों को, जिनके अधिकार क्षेत्र में जुलूस निकलेंगे, संदेश भेजा गया है कि वे उन मार्गों पर सीसीटीवी की कार्य स्थितियों का तुरंत सर्वेक्षण करें। शहर पुलिस के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि पुलिस थाने से आने वाली रिपोर्ट में उन मार्गों पर पहले से लगे सीसीटीवी कैमरों की मौजूदा कार्य स्थितियों का विवरण देना होगा।शहर पुलिस के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया, ₹संबंधित मार्गों पर किसी भी तरह की खराबी की तुरंत मरम्मत की जानी चाहिए या उसे बदला जाना चाहिए। साथ ही संबंधित थाने के प्रभारी अधिकारियों को आयुक्त कार्यालय को रिपोर्ट भेजने के लिए भी कहा गया है कि किसी भी मार्ग पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने की आवश्यकता कहां है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार ऐसे जुलूसों में शामिल होने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को भी बॉडी कैमरों का उपयोग करना होगा ताकि शुरू से अंत तक पूरी निगरानी और रिकॉर्डिंग सुनिश्चित की जा सकेसीसीटीवी निगरानी के अलावा, पुलिस जुलूस में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बॉडी कैमरे भी लगाएगी। शहर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹किसी भी खराब कैमरे की तुरंत मरम्मत की जानी चाहिए या उसे बदला जाना चाहिए। हमने संबंधित पुलिस स्टेशनों को निर्देश दिया है कि अगर किसी मार्ग पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता हो तो आयुक्त कार्यालय को सूचित करें।

संक्षेप

शराब के ठेके से बढ़ी छात्राओं की परेशानी

स्कूल-कोचिंग जाने वाली छात्राओं में डर, शराबियों के हुड़दंग से होती हैं परेशान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, तिंदवारी थाना क्षेत्र में स्थित एक शराब के ठेके ने स्थानीय लोगों के लिए समस्या खड़ी कर दी है। यह ठेका बस्ती से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। शाम के समय यहां शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। इस दौरान स्कूल और कोचिंग जाने वाली छात्राओं को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नशे में धुत लोग खुलेआम हुड़दंग मचाते हैं।

सार्वजनिक स्थान पर पेशाब तक कर देते हैं। स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि कई छात्राएं डर के कारण स्कूल और कोचिंग जाना बंद कर चुकी हैं। मोहल्ले के लोगों ने इस मामले की शिकायत थाने में की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब स्थानीय निवासियों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई है। उनकी मांग है कि इस शराब के ठेके को किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। ताकि छात्राएं बिना किसी डर के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

किसानों का प्रदर्शन

आवारा पशुओं से फसल बर्बाद, 2 दिन में समाधान नहीं तो आमरण अनशन की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, बबेरू तहसील के दर्जनों गांवों के किसान आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। तहसील और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों से निराश होकर किसानों ने जिलाधिकारी के सामने अपनी समस्या रखी। पलहरी, आहार, बड़ागांव, मिलाथू शिव, मवई पुर बिहार और आलमपुर समेत कई गांवों के किसानों ने आवारा पशुओं की समस्या से होने वाले नुकसान का मुद्दा उठाया। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन के भीतर आवारा गोवंश को सरकारी गौशालाओं में नहीं भेजा गया, तो वे आमरण अनशन शुरू कर देंगे। किसानों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर पंचायती राज मंत्री, मुख्यमंत्री समेत कई अधिकारियों तक सैकड़ों बार शिकायत पहुंचाई। लेकिन अधिकारी सिर्फ कागजी कार्रवाई कर मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं।

किसान नेता पीसी पटेल ने बताया कि चार दिन पहले जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह बबेरू आए थे। उन्होंने अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी। लेकिन उनके जाते ही अधिकारी फिर पुराने ढर्रे पर लौट गए। गौशाला के नाम पर सिर्फ पैसों का बंदरबांट हो रहा है। पहले धान की फसल बर्बाद हो चुकी है। अब गेहूं और चने की फसलें भी आवारा पशुओं से प्रभावित हो रही हैं। एडीएम राजेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। सीडीओ बांदा ने एसडीएम बबेरू को जांच का जिम्मा सौंपा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार मंडल के होली मिलन में जमकर मस्ती

फूलों की होली के बीच फिल्मी गीतों पर व्यापारियों ने जमकर किया डांस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, सिविल लाइंस स्थित पृथ्वी गार्डेन में रविवार की शाम होली की मस्ती में डूबी दिखी। मौका था प्रयागराज व्यापार मंडल की तरफ से आयोजित होली मिलन समारोह का। जहां पर शहर के साथ ही आस-पास के जिलों से भी करीब तीन हजार व्यापारी अपने परिवार के साथ होली मिलन समारोह में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत राजा रामचंद्र के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित करके प्रयागराज व्यापार मंडल के होली मिलन समारोह की शुरूआत की।

ब्रज के कलाकारों की प्रस्तुति पर झूमे व्यापारी

प्रयागराज व्यापार मंडल की तरफ से आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य आकर्षण ब्रज से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां रही। जिन्होंने विभिन्न गीतों पर डांस की प्रस्तुति दी। इसके बाद फूलों की होली का आयोजन किया गया। जहां पर व्यापारियों ने एक दूसरे पर जमकर फूल बरसाए। इसके साथ ही अबीर और गुलाल को हवा में उड़ाकर पूरे माहौल को होली मय कर दिया।

काल्विन अस्पताल में मरीजों की लंबी कतार

बदल रहे मौसम के कारण वायरल फीवर के मरीज सबसे ज्यादा, पंजीकरण काउंटर पर ज्यादा भीड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल (काल्विन) में आज सोमवार को सुबह 8 बजे से ही मरीजों की भीड़ ज्यादा रही। सबसे ज्यादा भीड़ ओपीडी पर्चा बनवाने के लिए पंजीकरण काउंटर पर पहुंच गई। मरीजों की लंबी कतार लग गई। फिजिशियन की ओपीडी में व पैथालॉजी लैब के बाहर लाइन में मरीज खड़े दिखे।

दरअसल, इस समय मौसम में बदलाव हो रहा है। भोर में हल्की ठंडी तो दिन में तेज धूप और गर्मी से लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं। अस्पताल आने वाले ज्यादातर मरीजों में वायरल फीवर, सर्दी, जुकाम के हैं। दवा काउंटर पर दवा लेने के लिए भी मरीजों की लंबी कतार रही। दोपहर 12 बजे तक यही स्थिति अस्पताल की लगभग सभी ओपीडी में रही। काल्विन के साथ स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू बेली अस्पताल में मरीज बढ़े हैं। एसआरएन में फिजिशियन की ओपीडी में ज्यादा मरीज हैं। पंजीकरण काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए मरीजों को आधे से एक घंटे तक खड़ा होना पड़ रहा है।

ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर: एक युवक की मौत

दूसरा रायबरेली रेफर; सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मोहनगंज थाना क्षेत्र के अगौना गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार मोनू और सुमित गंभीर रूप से घायल हो गए। मोनू सड़क पर गिरा, जबकि सुमित खेतों में जा गिरा। स्थानीय ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को तिलोई सीएससी पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मोनू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल सुमित को बेहतर इलाज के लिए रायबरेली जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

वहां उसका इलाज जारी है। घटना पास के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतक की मां की शिकायत पर पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सराफा व्यवसायी डकैती का खुलासा

सूरत जेल से लाए गए दो आरोपी, रेलवे ट्रैक से 4 किलो चांदी बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस ने सराफा व्यवसायी के यहां हुई डकैती का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गुजरात के लाजपोर सेंट्रल जेल से पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपी फुरकान उर्फ गुज्जर और अरबाज खान अमेठी जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। दोनों की उम्र 23 वर्ष है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सुलतानपुर रेलवे स्टेशन के पास से लूट का माल बरामद किया है। फुरकान की निशानदेही पर 1.550 किलोग्राम और अरबाज की निशानदेही पर 1.545 किलोग्राम चांदी मिली है। कोतवाली नगर के चौक इलाके में सराफा व्यवसाई के यहां लाखों की डकैती के बाद दोनों आरोपियों ने 18 फरवरी को सूरत न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। ये दोनों पहले से गुजरात के सूरत में हुई डकैती के मामले में जमानत पर थे। यूपी पुलिस ने दोनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। विवेचक ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया। इसके बाद सीजेएम विनीत सिंह ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वारंट बी जारी किया। दोनों आरोपियों को बरामद माल के साथ न्यायालय में पेश किया था। 28 अगस्त को हुई थी डकैती 28 अगस्त 2024 को कोतवाली नगर के अति व्यस्ततम चौक ठठेरी बाजार क्षेत्र में भरत जी की सराफा दुकान से दिनदहाड़े असलहे की नोक पर करोड़ों की डकैती हुई। घटना के अगले ही दिन यानी 29 अगस्त को बदमाशों की गैंग के सरगना विपिन सिंह ने रायबरेली कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। विपिन सिंह वहीं बदमाश है, जिसने मीडिया से बात करते हुए अपने एनकाउंटर की आशंका जताई थी।

दिव्यांगों ने की आवास की मांग:बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को प्राथमिकता देने की अपील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, संग्रामपुर ब्लॉक में दिव्यांगजनों ने प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास की मांग की है। भारतीय जागृति मिशन दिव्यांग संघ के सदस्यों ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संघ की मांग है कि हर ग्राम सभा में दिव्यांगजनों का सर्वे किया जाए। इसके बाद उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आवास दिए जाएं। दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कई दिव्यांगजन आज भी कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। खंड विकास अधिकारी शिव पूजन भारती ने जल्द सर्वेक्षण कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। प्रशासन सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

मैथिल ब्राह्मण महासभा में नई नियुक्ति

धर्मवीर शर्मा को मिली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी, निर्वाचन समिति की देखरेख में हुआ चुनाव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा की प्रांतीय समिति का चुनाव निर्वाचन आयोग की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस चुनाव में धर्मवीर शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

राजकीय विद्यालय परिसर धर्मपुरा खायरा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामदेव भारद्वाज और निर्वाचन सिमिति के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। निवर्तमान अध्यक्ष छत्रपाल व्यास ने अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ इस्तीफा सौंपा। चुनाव में रामजीत झा और धर्मवीर शर्मा ने अपना नामांकन दाखिल किया। नौ सदस्यीय निर्वाचन आयोग की समिति के जयदेव शर्मा ने धर्मवीर शर्मा के नाम की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित सत्यपाल पाराशर ने किया। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमनलाल उपमन्यु, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश कुमार शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिनिधियों ने मैथिल ब्राह्मण समाज की जन जागृति और उत्थान के लिए विचार-विमर्श किया।

पत्नी की हत्या कर पति घर से भागा

विवाद के बाद मायके में रह रही थी बीवी, समझौता के लिए आया और गला दबा दिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सुबह जब परिवार के लोगों को महिला की लाश देखी तो घर में कोहराम मच गया। वारदात गभाना थाना क्षेत्र के गांव रामपुर की है। पति से विवाद के बाद पत्नी मायके में रह रही थी। समझौता कराने के लिए पति आया था और रात में गला दबाकर हत्या कर दी। परिवार के लोगों ने तत्काल पुलिस को जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। गभाना के रामपुर निवासी सोनी का विवाह 2004 में हरदुआगंज निवासी दीपक के साथ हुआ था। दोनों परिवार मूल रूप से हाथरस के रहने वाले हैं और अब अलीगढ़ में बस गए हैं। सोनी और दीपक के बीच कुछ सालों से विवाद चल रहा है, जिसके कारण सोनी अपने मायके गभाना में ही रह रही थी। बीते दिनों दीपक गभाना आया था और अपनी ससुराल में ही रह रहा था। परिवार के लोग दोनों के बीच समझौता कराने की कोशिश कर रहे थे। जिससे कि सोनी वापस अपनी ससुराल जा सके। लेकिन, इसी बीच रविवार देर रात को दीपक ने सोनी की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। जिसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों का गठन किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गला दबाकर सोनी की हत्या की है। महिला के गर्दन पर निशान पाए गए हैं। वहीं मौत के कारण स्पष्ट करने के लिए शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। सीओ गभाना संजीव तोमर ने बताया कि महिला की हत्या कर आरोपी फरार हो गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है और दबिश दी जा रही है। जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होगा, जिसके बाद घटना का खुलासा किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा घोटाला

लेखा लिपिक समेत 5 लोगों ने फर्जी दस्तावेजों से किया 3.13 करोड़ का गबन, मुकदमा दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बेसिक शिक्षा विभाग में बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। तीन सदस्यीय जांच टीम ने लेखा लिपिक और उनके सहयोगियों द्वारा 3.13 करोड़ रुपये के गबन की रिपोर्ट दी है। सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी किशन गुप्ता ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। इनमें लेखा लिपिक मनोज मालवीय, ब्लॉक क्वालिटी कोऑडिनेटर अभिषेक सिंह, ब्लॉक एमआईएस कोऑर्डिनेटर शिवम कुमार पांडेय, गौरीगंज के प्राथमिक स्कूल गुडूर के शिक्षक शैलेश चंद्र शुक्ल और जगदीशपुर के बेंचूगढ़ स्कूल के शिक्षक श्रवण कुमार द्विवेदी शामिल हैं। मामला जनवरी में तब सामने आया जब लेखा लिपिक मनोज मालवीय बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित रहे। दस्तावेजों की जांच में शासकीय धन के दुरुपयोग का मामला प्रकाश में आया। इसके बाद डीएम निशा अनंत के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की। शिवम के खाते में 1.34 करोड़, अभिषेक के खाते में 54.26 लाख, श्रवण कुमार के खाते में 77.06 लाख और शैलेश चंद्र के खाते में 47.42 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। एएसपी हरेंद्र कुमार के अनुसार मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

कर्मचारियों का विरोध

निजी कंपनी ने 50 लोगों को नौकरी से निकाला, एक महीने का वेतन भी नहीं दिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, कोतवाली क्षेत्र के मंगलपुर में एक निजी माल कंपनी के खिलाफ कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। कंपनी ने बिना पूर्व सूचना के 50 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कर्मचारियों का एक महीने का वेतन भी बकाया है। नाराज कर्मचारियों ने कंपनी के गोदाम के पास जमा होकर प्रदर्शन किया। कर्मचारी शैलेंद्र शुक्ल ने बताया कि अचानक नौकरी से निकाले जाने से उनके परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है।

हिस्ट्रीशीटर गो- तस्कर गिरफ्तार

5 गोवंश और हथियारों के साथ पकड़ा, पहले भी जा चुका है जेल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर गौ तस्कर को गिरफ्तार किया है। कोतवाली देहात पुलिस ने वजूपुर गांव से अब्दुल कादिर उर्फ जिलानी को पकड़ा है। आरोपी शमी आलम उर्फ जुम्मन का बेटा है। पुलिस ने आरोपी के पास से 5 गोवंश बरामद किए हैं।

इसके अलावा उसके कब्जे से एक चापड़, एक छुरी और एक ठीहा भी मिला है। अब्दुल कादिर थाना कोतवाली देहात का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसका नंबर 119अ है। आरोपी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उस पर गोवध निवारण अधिनियम और आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया है। अब्दुल कादिर का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उस पर पहले से ही गौ-हत्या, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। 2019 से 2025 तक उस पर कुल 5 मुकदमे दर्ज हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई। गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सरोज, हेड कांस्टेबल शैलेंद्र यादव और कांस्टेबल योगेश मिश्रा व कुलदीप यादव की टीम शामिल थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।